''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 64 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए बुधवार, 05 मार्च 2025 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

हरियाणा प्रदेश के 2025-26 के बजट में शामिल किये जायेंगे मंत्रीगण/विधायकगण के महत्वपूर्ण सुझाव : नायब सिंह सैनी

आगामी बजट पर महत्वपूर्ण सुझावों के साथ दो दिवसीय बजट-पूर्व परामर्श का हुआ समापन

हमारा लक्ष्य ऐसा समावेशी बजट प्रस्तुत करना है जो प्रत्येक नागरिक के लिए समृद्धि लेकर आए : मुख्यमंत्री

प्रदेश में हो रहे नॉन स्टॉप विकास को और तीव्र गति प्रदान करेंगे महत्वपूर्ण सुझाव

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में पंचकूला आयोजित दो दिवसीय बजट-पूर्व परामर्श बैठक आज संपन्न हो गई। इस कार्यक्रम में सभी मंत्रीगण, विधायकगण और प्रशासनिक सचिव आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के बजट के लिए बहुमूल्य जानकारी और सुझाव देने के लिए एक मंच पर एकत्रित हुए। सभी ने एक समावेशी बजट की परिकल्पना को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

परामर्श बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री नायब सिंह सैनी, जो वित्त विभाग का कार्यभार भी संभाल रहे हैं, ने मंत्रियों और विधायकों द्वारा हरियाणा प्रदेश और इसके नागरिकों के कल्याण हेतु दिए गए महत्वपूर्ण सुझावों के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी सुझावों पर ध्यानपूर्वक विचार किया जाएगा और हरियाणा के सतत विकास को और गति देने के लिए आगामी राज्य बजट में इन्हे शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा बजट पेश करना है जो राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए समृद्धि लाए।

मुख्यमंत्री ने विधायकों को अपने सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया ताकि सभी महत्वपूर्ण सुझावों को सम्माहित कर प्रदेश में हो रहे नॉन स्टॉप विकास को और तीव्र गति प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि हम ऐसा बजट बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे नागरिकों की जरूरतों और आकांक्षाओं पर खरा उतरे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने परामर्श बैठक में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों का धन्यवाद भी व्यक्त किया। परामर्श बैठक के दौरान जिन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया उनमें मुख्य रूप से सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार, खेल सुविधाएं, जलापूर्ति, बिजली, परिवहन, औद्योगिक विकास, सरकारी संपततियों का बेहतर उपयोग, प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, नशे के नेटवर्क का उन्मूलन, नशे के आदी लोगों का पुनर्वास, समूचित सिंचाई जल वितरण, सरकारी विभागों का डिजिटलीकरण, अधिकारियों के लिए आवास सुविधा, साइबर अपराध से निपटना, क्षमता निर्माण और यातायात प्रबंधन आदि शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा पिछले कई दिनों से समाज के विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ कर बजट-पूर्व परामर्श बैठकें आयोजित की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आगामी बजट हरियाणा के लोगों की आकांक्षा और अपेक्षाओं के अनुरूप हो। इससे पहले, गुरुग्राम में उद्योग और विनिर्माण, हिसार में किसान और कृषि वैज्ञानिक, कुरुक्षेत्र में युवा और स्टार्टअप उद्यमी, पंचकूला में विभिन्न क्षेत्रों की प्रभावशाली व उद्यमी महिलाएं, पानीपत में कपड़ा उद्योग के प्रतिनिधि और फरीदाबाद में विनिर्माण हितधारकों सहित विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों के साथ बजट-पूर्व परामर्श बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इस वर्ष प्रदेश सरकार ने एक अन्य अभिनव पहल भी शुरू की है, जिसके तहत प्रदेश के प्रबुद्ध नागरिक बजट पर ऑनलाइन सुझाव दे सकते हैं। अभी तक, ऑनलाइन पोर्टल पर जनता से 10,000 से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, मंत्रीगण, विधायकगण, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर सहित प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

लोगों की शिकायतों का 15 दिन में करें निपटारा: सीपी विकास अरोड़ा

पुलिस आयुक्त ने ली डीसीपी, एसीपी, एसएचओ व चौकी प्रभारियों अहम बैठक

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने मंगलवार को जिला के सभी डीसीपी, एसीपी, एसएचओ व चौकी प्रभारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने नए कानूनों के तहत पुलिस कार्यशैली को अधिक प्रभावी, तीव्र व सटीक बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने यह भी कहा कि प्रत्येक शिकायतकर्ता को शिकायत प्राप्ति रसीद जरूर दी जाए। 15 दिनों में शिकायतों का निपटारा किया जाए। बिना वजह शिकायत या केस को लंबित रखा गया तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। थानों में की गई पुलिस कार्यवाही का ऑडिट करने के भी उन्होंने आदेश दिए। उन्होंने कहा कि 40 प्रतिशत से अधिक पुलिस कर्मचारी गवाही के लिए व जेल से 71 प्रतिशत अपराधी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश हो रहे हैं। भविष्य में इसे बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि समय की बचत हो। सीपी ने तय समय के बाद डीजे बजाने वालों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा ने मुख्य अपराधों, लमबित केसों व जिले में होने वाली मुख्य घटनाओं के संबंध में चर्चा करते हुए वाहन चोरी व सेंधमारी की घटनाओं की रोकथाम के लिए सफल/प्रभावी कार्यवाही करने के सख्त आदेश दिए। उन्होंने नए कानूनों के अनुसार पुलिस कार्यवाही में आने वाली परेशानियों के बारे में जानकारी ली। उनका निवारण किया गया। आरोपियों व पुलिस कर्मचारियों की न्यायालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होने वाली गवाहियों की भी समीक्षा की। इसको भविष्य में प्रभावी तरीके से संचालित करने के आदेश दिए। पुलिस में झूठी शिकायत करने वालों व पुलिस को झूठी सूचना देने वालों के खिलाफ भी कार्यवाही करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अपराधों की रोकथाम तथा आम जन में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी ज्यादा रखें।

पुलिस आयुक्त ने महिलाओं व बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों का मूल्यांकन करके सख्त आदेश दिए कि इन अपराधों में त्वरित कार्यवाही करें। किसी भी कारण से महिला व बच्चों से सम्बंधित अपराधों को शिकायतों/केसों को लमबित ना रखें। बैठक में जानकारी दी गई कि पुलिस की प्रभावी कार्यवाही के चलते गत वर्ष की तुलना में स्नेचिंग की वारदातों में 36 प्रतिशत की कमी, लूट की वारदातों में 40 प्रतिशत की कमी, बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में 60 प्रतिशत की कमी, वाहन चोरी में 5 प्रतिशत की कमी, सेंधमारी की वारदातों में 2 प्रतिशत की कमी घातक दुर्घटनाओं में 16 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस पर लाईनमैनों को किया सम्मानित

लाइनमैन विद्युत व्यवस्था की रीढ़ हैं : ए श्रीनिवास

समाचार गेट/संजय शर्मा

गुरुग्राम। मंडल आयुक्त हिसार, सचिव ऊर्जा विभाग हरियाणा एवं प्रबंध निदेशक दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ए श्रीनिवास के निर्देशानुसार आज राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस मनाया गया।

आज का दिवस मनाने का उद्देश्य लाइनमैन, लाइनमैन के पेशे और सार्वजनिक सुरक्षा की रक्षा करने वाले इन बहादुर कर्मचारियों के योगदान को मान्यता देना है। इसलिए विद्युत सेवाएं देने वाले विभाग 4 मार्च को लाइनमैन दिवस के रूप में मनाते हैं। लाइनमैन विद्युत व्यवस्था की रीढ़ हैं और फ्रंट लाइन वॉरियर हैं।

गुरुग्राम के सर्कल एक के तहत एस ई श्यामवीर सैनी के नेतृत्व में सेक्टर 5 के कम्युनिटी सेंटर में और गुरुग्राम सर्कल दो के तहत एस ई मनोज यादव के नेतृत्व में महरौली रोड स्थित कार्यालय परिसर में लाइनमैन दिवस मनाया गया।

लाइनमैनों के सम्मान में आज राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस पर डीएचबीवीएन द्वारा गुरुग्राम के 26 लाईनमैनों को सम्मानित किया गया। इसमें 12 सर्किल एक और 14 सर्कल 2 के सर्वश्रेष्ठ लाइनमैनों को सम्मानित किया गया।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षण अभियंता द्वारा लाईनमैनों को यह शपथ दिलाई गई कि मै यह शपय लेता हूँ कि बिजली की लाइन पर जो भी कार्य करूंगा, वह सुरक्षा नियमों के तहत और अपनी पूरी सेफ्टी किट के साथ करूंगा, अपने साथी को भी सुरक्षित रखूंगा और लाइन पर कार्य करने से पहले लाइन को अर्थ जरुर करूंगा। कभी भी बिना सेफ्टी किट के काम नहीं करूंगा और जैसा मैं घर से आया हूँ वैसे ही ड्यूटी से सुरक्षित अपने परिवार के पास वापस जाऊंगा। उन्होंने बताया कि लाइनमैन के बिना बिजली वितरण व्यवस्था की कल्पना करना मुश्किल हैं। लाइन पर काम करते समय करंट लगने का खतरा बना रहता है। छोटी सी गलती कई बार बड़े हादसे का कारण बन जाती है, इस बारे लाइनमैनों को जागरुक किया गया। बिजली लाइन का उचित रखरखाव करने और रखरखाव करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा हेतु उनकी जान माल की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि फील्ड में एलटी, एचटी लाइनों, ट्रांसफॉर्मर आदि पर काम करते समय सुरक्षा बेल्ट और अन्य संबद्ध सुरक्षा उपकरण पहनने है। बिजली लाइन पर काम करने वाले लाइनमैन को घातक व गैर-घातक दुर्घटनाओं से बचने के उपाय अपनाने जरूरी हैं।

अक्सर यह देखा गया है कि जल्दबाज़ी एवं लापरवाही के कारण दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटनाएं होती हैं। विद्युत लाइनों पर काम करते समय एवं उनका रखरखाव करते हुए सुरक्षा सावधानियों का पालन किया जाना चाहिए। आज के राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता के साथ सभी कार्यकारी अभियंता, उपमंडल अधिकारी, कनिष्ठ अभियंता और लाइनमैन आदि उपसथित रहे।

वार्ड-42 के उम्मीदवार दीपक यादव ने लिया मतदान का फीडबैक

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। पिछले लगभग एक महीनें से धूधांधार प्रचार में लगे वार्ड-42 के उम्मीदवार दीपक यादव ने मतदान शांतिपूर्ण संपन्न होने के उपलक्ष्य में सेक्टर-2 स्थित अपने कार्यालय पर अपने वार्ड के समाजसेवियों एवं बुद्धजीवियों और अपने आस-पास के स्थानीय लोगों और कार्यकताओं संग बैठकर मतदान का पूरा फीडबैक लिया। इस अवसर पर लोगों ने कहा कि शहर के अन्य वार्डो में मतदान कम देखने को मिला लेकिन हमारे वार्ड के मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

दीपक यादव ने कार्यकताओं से बूथ वाईस चर्चा की और पूछा की हम किस किस बूथ पर मजबूत स्थिति में है और कहां से हम ज्यादा अंतर से जीत रहे है। कार्यकताओं ने बताया कि मतदाताओं ने पूर्व पार्षद राव राम कुमार की अगुवाई में और आपके द्वारा पिछले कार्यकाल में वार्ड में कराए गए विकास कार्यो को देखकर ही वोट दी है ऐसा हमारा मानना है।

वहां मौजुद वार्ड 42 के मतदाताओं का कहना था कि उन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में ना केवल बढ़ चढ़कर भाग लिया अपितु अपना कीमती वोट विकास कार्यों के लिए दीपक यादव को पार्षद बनाने के लिए दिया। उन्होनें कहा कि प्रशासन और पुलिस ने भी चुनाव को शांतिपूर्ण बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी और मतदाताओं ने निर्भिक होकर अपना वोट डाला। दीपक यादव ने कार्यकताओं से बूथ वाईस चर्चा की और पूछा की हम किस किस बूथ पर मजबूत स्थिति में है और कहां से हम ज्यादा अंतर से जीत रहे है। कार्यकताओं ने बताया कि मतदाताओं ने पूर्व पार्षद राव राम कुमार की अगुवाई में और आपके द्वारा पिछले कार्यकाल में वार्ड में कराए गए विकास कार्यो को देखकर ही वोट दी है ऐसा हमारा मानना है। लोगों का तो यहां तक कहना था कि दीपक यादव को हमने भारी वोटों से जिताने की कोशिश की है, क्योकि वही हमारे सुख दुख के साथी हैं। पूर्व पार्षद दीपक यादव ने कहा कि अब नजर 12 मार्च को आने वाले नतीजों पर रहेगी जब जनता का फैसला आएगा।

भाजपा की होगी रिकॉर्ड जीत, प्रवीण बत्रा जोशी ने देवतुल्य मतदाताओं का जताया आभार

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी की मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने रविवार को नगर निगम चुनाव में वोट करने वाले देवतुल्य मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि उनके लोकतंत्र पर्व में भाग लेने से भाजपा की रिकॉर्ड जीत होगी। उन्हें विश्वास है कि जनता ने कमल के फूल पर बटन दबाकर अपने फरीदाबाद के विकास की नई राह को चुना है।

परिवार के साथ अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में भाजपा मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि इस नगर निगम चुनाव का जनता को कई साल से इंतजार था। फ़रीदाबाद की जनता ने इसमें भाग लेकर अपनी कीमती वोट हमें दिया है। फरीदाबाद के मतदाताओं ने हमें सिर्फ विजयी बनाने के लिए वोट नहीं दिया, बल्कि अपने वोट की चोट से विपक्ष को करारा जवाब देने का काम भी किया है। अपने विकास के नए रास्ते बनाने के लिए वोट किया है। प्रजातंत्र में लोकतंत्र की जीत के लिए वोट किया है। उन्होंने कहा कि पहले हुए नगर निगम के चुनावों से इस बार का चुनाव पूरी तरह से अलग है। इस बार मेयर सीधे जनता चुन रही है। जन आशीर्वाद से ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी और विकास की गति तेज होगी।

श्रीमती जोशी ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, प्रदेश प्रभारी सतीश पुनिया, केंद्रीय मंत्री एवं सांसद कृष्णपाल गुर्जर, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, मंत्री राजेश नागर विधायक मूलचंद शर्मा, धनेश अदलखा, सतीश फागना, पूर्व विधायक, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स समेत संगठन के हर नेता व कार्यकर्ता का आभार जताया, जिन्होंने इस चुनाव में पूरी ताकत लगाकर रखी। प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि सभी नेताओं ने उनसे भी बढ़कर चुनाव प्रचार किया है। संगठन का हर कार्यकर्ता भी पूरी निष्ठा व मेहनत से लगा रहा। कार्यकर्ता हमारी शक्ति है और इन सबकी शक्ति से ही हम बहुमत से भी बड़ी जीत हासिल करेंगे।

प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार मेयर का चुनाव सीधे जनता कर रही है। वे खुशकिस्मत हैं कि इस व्यवस्था से चुनाव में वे फरीदाबाद से पहली प्रत्याशी हैं और जनता के आशीर्वाद से फ़रीदाबाद की पहली मेयर भी होंगी। उन्होंने कहा कि वे 100 प्रतिशत से भी अधिक अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं। उनकी जीत बड़ी होगी। कमल के फूल को लोगों ने अपने विकास के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा दायित्व है। हम पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करके अपने फरीदाबाद को आगे लेकर जाएंगे।

भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री एवं राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी ने भी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए प्रवीण बत्रा जोशी की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि हम भाजपा मेयर प्रत्याशी की जीत के लिए शत-प्रतिशत आश्वस्त हैं। क्योंकि भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता ने इस चुनाव में अपना शत-प्रतिशत योगदान दिया है। सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाया और भविष्य की योजनाओं के लिए जनता का विश्वास जीता है। उन्होंने कहा कि जिस दिन नामांकन किया गया था, उसी दिन से प्रवीण बत्रा जोशी के सामने मैदान में कोई उम्मीदवार नहीं था। हरियाणा और दिल्ली जीत के बाद भाजपा के सामने कोई पार्टी बची भी नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जीत का असर फरीदाबाद निगम चुनाव पर आए। प्रवीण बत्रा जोशी के उम्मीदवार बनते ही सभी ने उन्हें विजयी बनाने की ठान ली थी। आने वाली 12 मार्च को सभी के दावे और उम्मीदें पूरी होने जा रही हैं।

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाती नेक ब्यूटी

वैसे तो आप अपने रूप-सौंदर्य का पूरा ख्याल रखती हैं लेकिन अक्सर नेक ब्यूटी यानी गले की सुंदरता पर उतना ध्यान नहीं जाता, जितना कि देना चाहिए। गले की सुंदरता व साफ-सफाई भी उतनी ही जरूरी है जितनी कि चेहरे व हाथ-पांव की। तो आइए जानते हैं कुछ जरूरी टिप्स जिससे गले की खूबसूरती भी बढ़ाई जा सके।

दाग-धब्बों के लिए

गले पर किसी भी प्रकार के दाग-धब्बे हों तो इसके लिए खीरा या ककड़ी को अच्छी तरह से पीस कर पेस्ट बना लें। इसमें अब थोड़ा-सा दही मिलाकर गर्दन पर लगाएं। इससे सारे दाग दूर हो जाएंगे और रंगत में भी निखार आएगा। ऐसा कम से कम 15 दिनों तक एक दिन छोड़ जरूर करे।

टैनिंग हटाने के लिए

गर्मियों में टैनिंग या कालेपन को हटाने के लिए वैसे तो संस्क्रीन लगाने की सलाह दी जाती है लेकिन कई और भी तरीकों से इसे कम किया जा सकता है। रात भर भीगी मसूर की दाल को पीसकर उसमें शहद मिलाएं। इस पेस्ट को नहाने से पहले 15-20 मिनट तक लगाए रखें और फिर धो लें। इससे गले का कालापन दूर होगा व चमक भी आएगी।

बरकरार रहेगी चमक

आपको दाग-धब्बे या टैनिंग जैसी शिकायत नहीं भी है तो भी देखभाल की जरूरत तो होती ही है। देखभाल नहीं करने पर त्वचा अपनी प्राकृतिक चमक व आकर्षण खो देती है। इसके लिए एक ग्लीसरीन व नींबू के रस का मिश्रण बनाकर रात को सेने से पहले गले पर लगाएं। सुबह इसे कुनकुने पानी से धो लें। इससे त्वचा का आकर्षण बरकरार रहेगा।

कुछ जरूरी टिप्स

- हफ्ते में कम से कम एक बार प्राकृतिक तेल से गर्दन की मसाज जरूर करें। चाहे तो अच्छी कंपनी की मसाज क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।
- चेहरे पर लगाने के लिए जो भी फेस पैक इस्तेमाल करें, उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं।
- कभी रूखापन महसूस होने पर जैतून का तेल लगाएं। हल्के हाथों से थोड़ी देर मसाज करने से खुश्की दूर होती है।
- इसके अलावा गले की सुंदरता को बढ़ाने के लिए डेलीकेट चेन पेंडेंट, मोतियों का हार या डिजाइनर नेकलेस का चुनाव भी कर सकती हैं।

फ्रेंच कनेक्शन

सामग्री : 2 छोटे प्याज बारीक कटे हुए, 1 टमाटर बारीक कटा हुआ, थोड़ा-सा ऑरीगेनो (हर्ब्स) और तुलसी की पत्तियां. 4 टुकड़े काले जैतून, लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून जैतून तेल, 50 ग्राम मौजरैला चीज, 6 स्लाइस इटालियानो क्रस्टी ब्रेड (इटालियन ब्रेड), नमक व काली मिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि: सभी सब्जियों को बारीक काट लें। इसमें जैतून तेल, ऑरीगेनो, तुलसी की पत्तियां, नमक व काली मिर्च मिला लें। इटालियानो क्रस्टी ब्रेड के ऊपर इस तैयार किए गए मसाले को लगाएं। चीज डालकर बेक करें और सालसा सॉस के साथ सर्व करें।

स्कर्ट्स आर इन

कपड़े, रंग और मौसम का लंबा ताल्लुक रहा है, स्कर्ट्स भी इससे अछूते नहीं हैं। ठंड के मौसम में यदि जींस पहनकर आप बोर हो गई हो तो लांग स्कर्ट एक बेहतर विकल्प है। एक समय था जब स्कर्ट्स के नाम पर सादा सा घेरदार स्टाइल का कपड़ा होता था, आजकल स्कर्ट्स कूल लुक में सामने आ रही हैं। इनके नए लुक पर एक नजर..

स्प्रे स्कर्ट्स- स्प्रे पेंट का तरीका कागज से अब कपड़ों पर भी पकड़ बनाता नजर आ रहा है। लोकल से लेकर नामी इंटरनेशनल ब्रांड्स ने इन्हें अपनाकर स्कर्ट्स के जरिये नया लुक दिया है। आपके लिए इसे पहनने का इससे अच्छा सीजन नहीं हो सकता।

वेस्ट अप- पिछले साल की लो राइज या लो वेस्ट कपड़ों की जगह इस बार वेस्ट अप ने ली है। इस स्टाइल के लांग और शॉर्ट स्कर्ट्स दोनों ही काफी पसंद किए जा रहे हैं। टॉमी हिलफिगर ने भी अपनी वेस्ट अप रेंज बाजार में उतारी है।

ट्यूलिप- मिस सिक्सटी ने कई शानदार नामों की स्कर्ट रेंज उतारी है, इसमें लोर्ना, कैटराइन, जैंक्विल जैसे नाम शामिल हैं। फैशन राइटर सुजाता अस्सूमल के अनुसार जो लोग अपने फिगर को परफेक्ट लुक देना चाहते हैं वो टज्यूलिप स्कर्ट्स जरूर ट्राय करें।

रंगों की बहार- डिजाइनर सुरीली गोयल के कलेक्शन में यलो, रेड और कई चटकदार रंगों का संगम है। इन रंगों को वीकएंड, हॉलीडे ट्रिप या हल्के-फुल्के फंक्शंस में भी पहना जा सकता है। फ्लोरल प्रिंट के रंगीन स्कर्ट भी हर सीजन में पसंद किए जाते हैं।

ब्लैक एंड व्हाइट- कुछ लोग कलरफुल कपड़े पसंद करते हैं तो कुछ का ऑल टाइम फेवरेट ब्लैक एंड व्हाइट होता है। इन दो रंगों के साथ ऑरेंज और ग्रीन रंगों का बढ़िया कांबिनेशन बनता है। डिजाइनर फाल्गुनी पीकॉक कहती हैं कि कैजुअल या डेनिम स्कर्ट का व्हाइट शर्ट के साथ भी बढ़िया कांबिनेशन बनता है। हर मौसम में यह स्कर्ट मुफीद हैं।

मेक अप ब्रश का सही इस्तेमाल

चेहरा कैनवास के समान है जिसपर मेकअप के बहाने आप तरह-तरह के रंग भरती हैं। इससे ना सिर्फ आप स्वयं को खूबसूरत बनाती हैं बल्कि नया लुक भी दे सकती हैं, लेकिन यह सब अच्छी तूलिका (ब्रश) के बिना संभव नहीं। मेकअप के लिए अक्सर महिलाएं सही ब्रश का इस्तेमाल नहीं करतीं। चेहरे के हर भाग का मेकअप करने के लिए अलग तरह के ब्रश मौजूद हैं, बस जरूरत है उनके बारे में सही जानकारी की। आइए जानें,

कंसीलर ब्रश

इस ब्रश का मुंह चौड़ा और किनारे पतले होने चाहिए। मार्केट में यह कई शेप व साइज में उपलब्ध हैं। जिसे पकड़ने में आपको आसानी हो वही ब्रश खरीदें। कंसीलर ब्रश ब्लेंड करने के लिए परफेक्ट है।

पाउडर ब्रश

इसके लिए गोल, लंबा व घने बालों वाला ब्रश लें। यह लूज पॉवडर व कॉम्पेक्ट लगाने के लिए बेहतरीन है। चेहरे व गर्दन पर लगे अतिरिक्त पॉवडर को भी इससे साफ व एक समान कर सकते हैं।

फाउंडेशन ब्रश

इसका ऊपरी हिस्सा पतला व सपाट हो। ब्रश लंबा और चौड़ा हो। फाउंडेशन ब्रश से क्रीमी व लिक्विड फाउंडेशन लगाने में आसानी होती है।

ब्लशर ब्रश

यह ऊपर से बड़ा व चौड़ा होना चाहिए। इसके बालों में हल्का पतलापन चल सकता है। चीकबोंस व गालों को उभार देने के लिए यह उपयुक्त है।

स्लांट ब्रश

स्लांट ब्रश छोटा, पतला व थोड़ा एंगल्ड (मुड़ा हुआ) होना चाहिए। इसमें मुलायम व सख्त दोनों प्रकार के ब्रश आते हैं। ये त्वचा की हल्की व बारीक रेखाओं या झुर्रियों को बेहतर तरीके से छुपाते हैं। आंखों व आई-ब्रो के आसपास ब्लेंड करने के लिए यह ब्रश परफेक्ट है।

आई शैडो ब्रश

आई शैडो के लिए बड़े आकार का ब्रश हो लेकिन न ज्यादा मोटा और न ज्यादा पतला। प्लेन किनारों के साथ यह ऊपर से चौड़ा हो और आंखों के आसपास इस्तेमाल करने के लिए ब्रिसल्स मुलायम। इस ब्रश का उपयोग पलकों पर कलर को ब्लेंड करने के लिए करते हैं।

लिप ब्रश

हमेशा पतला, छोटा और फ्लैट किनारी का लिप ब्रश उपयोग करें। इसे लिप लाइनर या लिपस्टिक, दोनों लगाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। लाइनर का ब्रश एकदम बारीक व लिपस्टिक के लिए थोड़ा मोटा ब्रश ठीक रहेगा।

जरूरी टिप्स

- खरीदते वक्त ध्यान रखें कि हर कंपनी के ब्रश का साइज अलग-अलग होता है।
- प्राकृकि बालों से बने ब्रश परफेक्ट होते हैं।
- इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल करते रहने के लिए उपयोग के बाद सौम्य शैंपू या पानी से धो कर साफ कर लें।
- इसे कभी गीला ना छोड़ें।

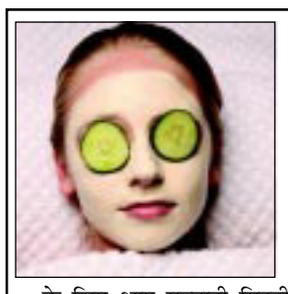

घरेलू फेस पैक बढ़ाएं सौंदर्य

- तैलीय त्वचा की महिलाओं के लिए चंदन और मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बहुत उपयोगी है। इस पैक को बनाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी व चंदन पाऊडर को समान मात्रा में लें और उसमें गुलाब जल मिलाकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं, लाभ होगा।
- त्वचा के कालेपन को दूर करने के लिए संतरे के रस में थोड़ी-सी मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाऊडर व हल्दी को मिलाकर उसका पेस्ट चेहरे पर लगाएं। कुछ ही सप्ताह में आप देखेंगी कि आपकी त्वचा में आश्चर्यजनक निखार आ गया है।
- चेहरे की त्वचा को निखारने के लिए पपीते के गूदे में चंदन पाऊडर व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर उसका पैक चेहरे पर लगाएं।
- पुदीने को पीस कर उसमें थोड़ी-सी पिसी हल्दी और बेसन मिलाकर इसका पैक चेहरे पर लगाएं। यह फेस पैक त्वचा को कांतिमय बनाने में बहुत उपयोगी है।
- शुष्क त्वचा पर संतरे के रस में शहद मिलाकर त्वचा पर सूखने तक लगाएं, लाभ होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3460

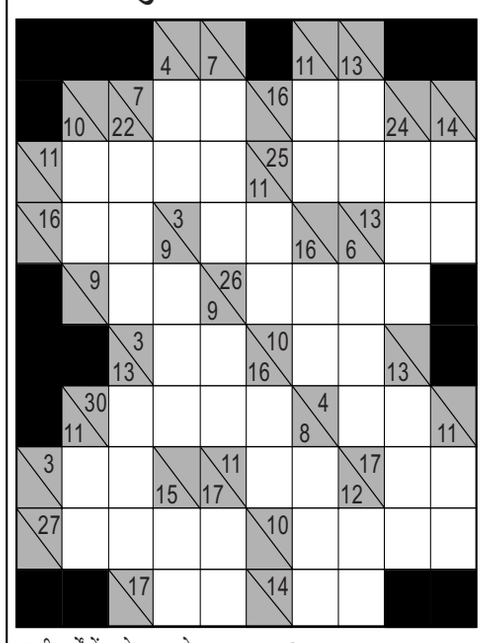

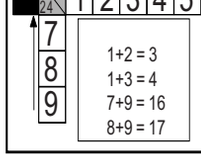

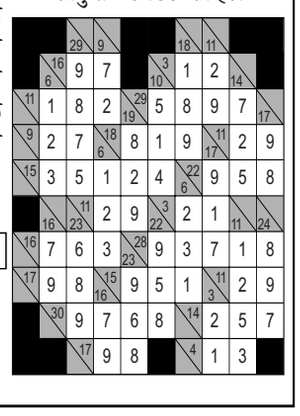

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3459 का हल

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), "सुनाओ दोस्त क्या हाल है?"

हरीश, "बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ."

राज, "मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है."

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, "जीजा जी, दीदी कैसी लगी?"

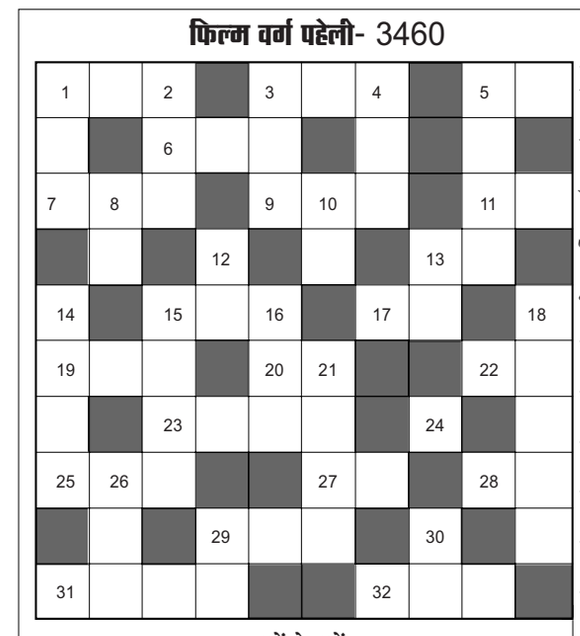

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, "मीडियम फास्ट."

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), "मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?" शारदा, "वह कैसे."

विजय लक्ष्मी, "मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया."

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3460

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, जॉन, हेमा, रानी की फिल्म-३
३. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
५. जैकी, अनिल, शत्रुघ्न, हेमा, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
७. कंवलजीत, वहीदा की फिल्म-३
९. 'झूठी मूठी मितवा सांवन' गीत वाली फिल्म-३
११. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हर इक लब पर है' गीत वाली श्रेयस तलुदे, आयशा टकिया की फिल्म-२
१५. शाहरूख, मनीषा, प्रीति, शिल्पा की फिल्म-२,१
१७. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
१९. 'मुझे तुम याद' गीत वाली फिल्म-३
२०. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी की फिल्म-२
२२.'दिल में जिगर' गीतवाली फिल्म-२
२३. हिंदी फिल्मोंका पहला 'ही-मैन' किसे कहा गया है-४
२४. जीतेंन्द्र, जयप्रदा की एक पारिवारीक फिल्म-१
२५. 'सौ सवालों का' गीत वाली धर्मेन्द्र, अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. अमिताभ, जैकी, जावेद, कैटरीना, मधु, सीमा, जीनत की फिल्म-२
२८. 'जुड़वाँ' में सलमान के साथ करिशमा के अलावा दूसरी नायिका कौन थी-२
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
३१. फिरोज, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'मेरा दिल जिस दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, करीना की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो' गीत वाली दीपक कुमार, रेहाना की फिल्म-३
४. शशिकपूर, राखी की 'आज मदहोश हुआ जाये रे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली मिथुन, कबीर बेदी, संगीता की फिल्म-४
८. बॉबी, काजोल, मनीषा कोइराला की 'मेरे ख्वाबों में तू' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अब चाहे सर फूटे या' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१२. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और तू' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१४. सुनीलदत्त, माला की 'आजा आजा रे तुझको मेरा प्यार' गीत वाली फिल्म-४
१५. 'जान तन से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-४
१६. प्रशांत, संध्या की 'तुम तो प्यार हो सजना' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'खुशी से खुदकुशी' गीत वाली फिल्म-५
२१. सनी, जीतेंन्द्र, फरहा, जयाप्रदा की फिल्म-४
२६. 'आँखों आँखों में हो गए' गीत वाली फिल्म-३
२९. नसीर, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-२
३०. 'रंग दीन्हीं रंग दीन्हीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3459

सूडोकु -3460

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में १ से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं ३×३ के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3459 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 3460

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3459 का हल

संपादकीय

युवाओं की रगों में घुलता नशे का जहर

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

पंजाब के 26 प्रतिशत युवा चरस, अफीम तथा कोकीन व हेरोइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स लेने में लिप्त हैं। इसमें शराब आदि का डाटा शामिल नहीं है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी। सरकार नशे को खत्म करने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और देखने को मिलती है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट-स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार करने का कोई प्रभावी उपक्रम कर रहे हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं, पाकिस्तान के षडयंत्र हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है।

पंजाब में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स के धंधे ने व्यापक स्तर पर अपनी पहुंच बनाई है, जिसके दुष्परिणाम पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा करने का सरकार दावा खोखला साबित न होकर सकारात्मक एवं प्रभावी परिणाम लाये, यह अपेक्षित है। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान उग्र, आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत की भांति कोरा दिखावा न साबित हो, यह देखना जरूरी है। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। जरूरत है मान सरकार का नशा एवं नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिखे। ताकि नशे के जाल में फंसे युवाओं एवं आमजन को बचाया जा सके।

प्रधान व पार्षद पद के प्रत्याशियों द्वारा समर्थकों के साथ किया जाने लगा मतों का प्लस-माइनस

15 उम्मीद्वारों की 12 को चमकेगी किस्मत, 33 की फीकी रहेगी होली

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। नगरपालिका कनीना के आम चुनाव के बाद चेयरमैन व पार्षद पद के प्रत्याशियों व उनके समर्थकों में सियासी प्लस-माइनस को जोडतोड शुरू हो गया है। हालांकि चुनाव के नतीजे 12 मार्च को सामने आयेगें लेकिन इससे पूर्व समर्थक कॉपी पेन लेकर वोटों का आंकडा फलाया जा कर अपनी जीत को आश्वस्त कर रहे हैं। बता दें कि कनीना में नपा प्रधान का पद महिला के लिए रिजर्व किया गया था। जिसके लिए 7 महिला उम्मीद्वार सुमन देवी, रिंपी कुमारी, सरिता सिंह, कुसुमलता, संतोष देवी, सबिता देवी व सुमन चुनाव मैदान में थी। इसी प्रकार 14 वार्ड के लिए 41 वार्ड पार्षद प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए थे। कुल 48 प्रत्याशियों में प्रधान सहित 15 उम्मद्वारों की होली त्योंहार की पूर्व संध्या पर किस्मत चमकेगी। जबकि 33 अन्य का होली का त्योंहार फीका रहेगा।

चुनाव अधिकारी एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि 10413 मतों में 8935 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। जो 85.8 फीसदी रहा। उन्होंने बताया कि वार्ड एक मे 648 वोटों में से 565 की पोलिंग हुई। इसी प्रकार वार्ड दो में 877 में से 727, वार्ड तीन में 869 में से 736, वार्ड चार में 658 में से 580, वार्ड पांच में 794 में से 695, वार्ड छह में 687 में से 577, वार्ड सात में 796 में से 684, वार्ड आठ में 798 में से 676, वार्ड नो में 727 में से 626, दस में 664 में से 591 वार्ड 11 में 663 में से 573, वार्ड 12 में 813 में से 703, वार्ड 13 में 770 में से 651

व वार्ड 14 में 649 में से 551 मतदाताओं ने मत डाले। वार्ड नम्बर एक, दो, आठ, 11 व 14 वार्डों में दो-दो प्रत्याशी रहने से उनमें सीधा मुकाबला रहा। नपा चुनाव के लिए राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कनीना में कंटोल व स्टांग रूम स्थापित किया गया है। जहां ईवीएम को रखा गया। जिसकी सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए हैं। 12 तारीख को ईवीएम खुलने पर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा।

एसपी ने मतगणना केंद्र का निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों को दिए जरूरी दिशा-निर्देश

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने मंगलवार को कनीना में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम की सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मचारियों को निष्ठापूर्वक ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतगणना होने तक स्ट्रांग रूम की कडी सुरक्षा रहेगी। इस मौके पर डीएसपी दिनेश कुमार, सिटी थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह, सदर थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार सहित पुलिस कर्मचारी उपस्थित थे।

सेक्टर 7 में ज्वेलरी की दुकान पर हुई लूट का छठा आरोपी गिरफ्तार

पूर्व में गिरफ्तार दो आरोपियो से पुलिस रिमांड के दौरान 27700, एक देसी कट्टा व 2 कारतूस बरामद

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। 07 जनवरी को सुबह करीब 10-30 बजे हुड्डा मार्किट सेक्टर 7 फरीदाबाद स्थित तरुण ज्वैलर्स की दुकान में नकाबपोशों द्वारा हथियारों के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिस पर विनय वासी सेक्टर 7 फरीदाबाद की शिकायत पर थाना सेक्टर 8 में लूट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हैं बतलाया कि अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने मामले के छठे आरोपी को भी गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है,

गिरफ्तार आरोपी विकार अहमद (42) वासी गांव सहसपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल सीलमपुर दिल्ली का रहने वाला है, जिसको अपराध शाखा की टीम ने सीलमपुर दिल्ली से गिरफ्तार किया है। जिसने अपने अन्य साथीयों के साथ मिलकर दुकान में घुसकर लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिसको पूछताछ के लिए 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बतलाया कि मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद अहमद (45) वासी गांव चुचैला कलां जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश व मुबीन उर्फ बबलू(35) वासी लक्ष्मी नगर गजरोला उत्तर प्रदेश को पुलिस रिमांड पर लिया गया था, मुबीन से 14200/-रु व एक देसी कट्टा बरामद किया गया है।

वहीं आरोपी मोहम्मद अहमद से 13500/-रु नगद बरामद किए गए है। पुलिस द्वारा 5 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जो सभी पुलिस रिमांड पर है।

सिहोर में बाबा ब्रहृमचारी का मेला 13 को, सांसद धर्मबीर सिंह होगें मुख्यातिथि

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। उपमंडल के गांव सिहोर में आगामी 13 मार्च को होली पर्व पर आयोजित होने वाले बाबा ब्रहृमचारी मेला व खेलकूद प्रतियोगिता को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्व सरपंच कुलदीप सिंह ने बताया कि 13 मार्च को सुबह 9 बजे आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में 21 हजार रूपये ईनाम तक की कुश्ति लडके एवं लडकियों की दौड, बुजुर्गों की दौड, कबड्डी हरियाणा स्टाईल व नैशनल होगी। मेले के मुख्यातिथि महेंद्रगढ भिवानी लोकसभा क्षेत्र के सांसद चै धर्मबीर सिंह होगें तथा अध्यक्षता पंचायत समिति कनीना के चेयरमैन जेयप्रकाश यादव की होगी। उन्होंने बताया कि मेले में भंडारा व रात्री 9 बजे जागरण होगा जिसमें धार्मिक भजन प्रस्तुत किए जाएगें।

आम आदमी पार्टी पंजाब सरकार द्वारा किसानों की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हैं : आजाद सिंह मिरान

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। जम्हूरी किसान सभा हरियाणा राज्य कन्वीनर आजाद सिंह मिरान ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सयुंक्त किसान मोर्चा पंजाब ईकाई ने भारत के आवाहन पर पूरे भारत में आंदोलन किया हैं, उसी को लेकर पंजाब संयुक्त किसान मोर्चा भी 5 मार्च को चण्डीगढ़ में किसानों की मांगों को लेकर धरना लगाने जा रहा है । जो लोकतंत्र में किसानों की बकाया मांगों को मनवाने के लिए शांतिपूर्ण चलना था , लेकिन मान सरकार की तानाशाही रवैया रहा है और आज सुबह से किसानों को गिरफ्तार किया जा रहा है। किसानों के घरों में छापे मारी की जा रहीं है। पंजाब सरकार किसानों पर अत्याचार कर रही है और लोकतंत्र का गला घोटा जा रहा है । जम्हूरी किसान सभा हरियाणा पंजाब के किसानों के साथ है और पंजाब सरकार की कड़े शब्दों में निंदा करतीं हैं और हरियाणा की आम जनता , किसान मजदूरों से अपील है कि लोकतंत्र को बचाने के लिए संविधान के तहत प्रदर्शन और धरना के अधिकार को बचाने के लिए किसानों का साथ दे । वहीं सिवानी तहसील प्रधान विक्रम सिवाच ने कहां कि पंजाब की मान सरकार आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला कर रही हैं , उन्हें इस से बाज आना चाहिए। किसान केन्द्र की मोदी सरकार ने जो किसानों के साथ वादाखिलाफी व विश्वास घात किया है उसके खिलाफ मोर्चा लगा रहे हैं और ये उनका लोकतांत्रिक अधिकार है। हम पंजाब की मान सरकार की कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं और पंजाब के किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करेंगे।

देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों को समर्पित है राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। आमजन की आत्मरक्षा और राष्ट्र की सुरक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए देश में प्रत्येक वर्ष 4 मार्च का दिन राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रुप में मनाया जाता है ताकि लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षा मामलों की गंभीरता समझाई जा सके और सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए जागरुक भी किया जा सके। राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर सुरक्षा बलों के सेवानिवृत कर्मियों ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के रूप में मनाने की पहल गैर सरकारी संस्था नेशनल सेफ्टी काउंसिल ने 4 मार्च सन 1966 को की थी। जब इस संगठन का गठन किया गया तो इसमें करीब 8 हजार सदस्य शामिल थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी सुरक्षा दिवस का आवाहन किया था, ताकि लोगों को उद्योगी क्षेत्र में सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके और औद्योगिक दुर्घटनाओं की दर में कमी आ सके। हालांकि जब इसकी पहल की गई उसके बाद से लगातार हर वर्ष औद्योगिक और अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है और आजकल लोग भी सुरक्षा के मामले को बड़ी गंभीरता से लेने लगे हैं। विभिन्न संस्थाओं द्वारा भी सुरक्षा को लेकर आमजन को जागरुक किया जा रहा है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस देश की सीमा पर जान की बाजी लगाकर सुरक्षा कर रहे सैनिकों के लिए भी समर्पित है। उन्होंने कहा कि देश के स्वच्छ परिवेश की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा के अंतर्गत आती है जो हमारी जिम्मेदारी है ताकि हमारे राष्ट्रीय परिवेश में रहने वाले हमारे सभी देशवासी सदैव स्वस्थ रह सकें। यदि वह स्वस्थ रहेंगे तो वह अपनी सुरक्षा भी कर सकते हैं। उन्होंने आमजन से कहा कि हमें सुरक्षा के अंतर्गत सबसे पहले सुरक्षित परिवेश और स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वालो पर होगी सीलिंग की कार्यवाही : स्वप्निल रविंद्र पाटिल

लाल डोरा/ आबादी की प्रॉपर्टी सर्टिफाइड और स्वामित्व योजना के तहत लाभार्थियों को ज़्यादा से जायदा से ज़्यादा लाभ पहुँचा कर इस कार्य को जल्द पूरा कराने के भी दिए निर्देश

स्पेशल ड्राइव चलाने के दिए कड़े निर्देश

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। नगर निगम कमिश्नर स्वर्पनिल रविंद्र पाटिल ने निगम के सभी जेडटीओ और अन्य अधिकारियों के साथ निगम सभागार में प्रॉपर्टी टैक्स सहित विभिन्न विषयों से सम्बंधित बैठक ली। बैठक उपस्थित सभी अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है कि अपने अपने संबंधित क्षेत्र में प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वाले लोगों को नोटिस जारी करें ताकि वे अपना प्रॉपर्टी टैक्स समय रहते जमा कर सकें। नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के दिशा निर्देशों पर पहले चरण में अधिकतम प्रॉपर्टी टैक्स होल्डर्स पर कार्यवाही शुरू की थी जिसमें कुछ ही लोगों ने टैक्स जमा कराया था।

काफी लोगों की प्रॉपर्टी को सील भी किया गया है। लेकिन एडिशनल कमिश्नर स्वर्पनिल रविंद्र पाटिल ने निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी टैक्स जमा न करने वालो पर सख्त कार्यवाही की जाएगी और सभी जॉन में स्पेशल ड्राइव चलाया जाएगा।। उन्होने आमजन से अपील की कि वह समयानुसार अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवाएं। ताकि वह निगम द्वारा की जाने वाली आगामी कार्यवाही से बच सके। इसके अलावा उन्होंने लाल डोरा आबादी के अंतर्गत आने वाली प्रॉपर्टी को लेकर भी उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार सभी जेडटीओ अपने अपने क्षेत्रों में लाल डोरा/आबादी वाली प्रॉपर्टी का सेल्फ सर्टिफाइड करवाना भी सुनिश्चित करें। बता दे की स्वामित्व योजना में अंतर्गत लाल डोरा/आबादी वाली प्रॉपर्टी के कागजातों का सेल्फ सर्टिफिकेशन करने के लिए प्रत्येक जॉन में डोर टू डोर कार्य किया जा रहा है जिसे और भी तेज गति से पूरा किया जाएगा। बैठक में जॉइंट कमिश्नर हितेन्द्र कुमार जॉइंट कमिश्नर राजेश कुमार, जेडटीओ सुमन रत्रा, जेडटीओ विकास कन्हैया, जेडटीओ दीपा, जेडटीओ सुनीता, जेडटीओ पदम सिंह जेडटीओ सृष्टि मौजूद रहे।

नारी शक्ति को सलाम श्रृंखला के माध्यम से मनाया जा रहा महिला दिवस सप्ताह

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के संचार एवं मीडिया तकनीकी विभाग द्वारा सराहनीय पहल आरंभ की गई है। मीडिया विभाग द्वारा इसके अंतर्गत नारी शक्ति को सलाम नामक श्रृंखला 8 मार्च तक महिला दिवस सप्ताह के रूप में मनाई जा रही है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस महिला दिवस सप्ताह का मुख्य उद्देश्य समाजसेवी, शिक्षाविद, कानूनविद, सेलिब्रिटी, उधमी, गृहिणी, कामकाजी एवं विशेष श्रेणी की लोकप्रिय महिलाओं के विचारों से सभी को अवगत करा कर उनसे प्रेरणा लेकर भविष्य की कार्ययोजना तैयार है।

महान स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल को उनकी पुण्यतिथि पर किया याद

समाचार गेट/ब्यूरो

गुरुग्राम। अमृत महोत्सव के तहत केंद्र व प्रदेश सरकारों द्वारा देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले स्वतंत्रता सैनानियों व अमर शहीदों को उनकी जयंती व पुण्यतिथि पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें याद किया जा रहा है। इसी क्रम में राष्ट्रवादी क्रांतिकारी व स्वतंत्रता सेनानी लाला हरदयाल की पुण्यतिथि पर श्रमिक नेताओं कुलदीप जांघू व अनिल पंवार ने उन्हें याद करते हुए कहा कि लाला हरदयाल गदर पार्टी के एक प्रमुख नेता थे, जिन्होंने पार्टी के सदस्यों को स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने प्रवासी भारतीयों को लामबंद किया ताकि वे बढ़-चढक़र स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले सकें। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता से संबंधित लेख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित कराए, ताकि देश की आजादी के प्रति लोगों को जागरुक किया जा सके। श्रमिक नेताओं ने कहा कि उनका जन्म 14 अक्तूबर 1884 को दिल्ली में कायस्थ परिवार में हुआ था। वह आर्य समाज से बड़े प्रभावित थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड छात्रवृति लेने और भारतीय सिविल सेवाओं में शामिल होने से भी इंकार कर दिया था। स्वतंत्रता सेनानी का कहना था कि उनका एक ही उद्देश्य है कि अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन छेडक़र देश को स्वतंत्र कराया जाए। उन्होंने अमेरिका में जाकर गदर पार्टी की स्थापना की थी और वहां रह रहे भारतीयों को पार्टी से जोडने. के लिए भी बड़ा कार्य किया था। काकोरी काण्ड का फैसला आने के बाद वर्ष 1927 में उन्हें भारत लाने का प्रयास किया गया किन्तु तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने अनुमति नहीं दी। वर्ष 1938 में अनुमति मिल गई लेकिन भारत लौटते हुए 4 मार्च 1939 में उनकी अमेरिका में रहस्यमयी मृत्यु हो गई थी।

बिजली की पुरानी व कम लोड वाली तारों को भी बदला जाएगा : अनिल विज

हर जिले में ड्राइविंग स्कूल स्थापित होंगे : विज

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि ऊर्जा विभाग में इन्फ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और इसी कड़ी में यमुनानगर में 800 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र स्थापित किया जा रहा हैं और इसके लिए स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इसी प्रकार से बिजली की पुरानी तारों/कम लोड वाली तारों को भी बदला जाएगा।

इसके अलावा, श्री विज ने बताया कि पुरानी बसों को बदलने के साथ-साथ बस अड्डों की हालत में भी सुधार कर आधुनिक रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हर जिले में ड्राइविंग स्कूल स्थापित होंगे और प्रत्येक जिले में ऑटोमेटिक वॉशिंग मशीन सिस्टम और ऑटोमेटिक सिस्टम फॉर चेकिंग व्हीकल फिटनेस स्थापित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। ऐसे ही, प्रत्येक जिले में श्रमिकों के लिए एयर कंडीशन

अस्पताल स्थापित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए हैं ताकि श्रमिकों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके। श्री विज आज पंचकूला में प्री बजट परामर्श बैठक के उपरांत पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। दो दिन तक पंचकूला में आयोजित किए गए बजट पूर्व परामर्श बैठक के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि इस प्रकार की परामर्श बैठकों में विधायकों के सुझाव बजट बनाते समय सरकार ध्यान में रखती है।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

संक्षिप्त समाचार

जॉर्डन के सैनिक की गोली से भारतीय नागरिक की मौत

अम्मान, एजेंसी। इजराइल-जॉर्डन सीमा पर एक भारतीय नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। उसकी पहचान केरल के थुंबा निवासी एनी थॉमस गेब्रियल (47) के तौर पर हुई है। गेब्रियल चोरी से इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी उसे जॉर्डन के सैनिक ने गोली मार दी।जॉर्डन में स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना के बारे में जानकारी साझा की है। दूतावास ने कहा कि वे मृतक के परिवार के संपर्क में हैं और उसके शव को लाने की कोशिश में जुटे हैं। मृतक गेब्रियल के परिवार ने बताया है कि उन्हें बीते 1 मार्च को भारतीय दूतावास की ओर से एक ईमेल मिला जिसमें एनी थॉमस गेब्रियल की मौत की पुष्टि की गई। इसमें बताया गया कि घटना 10 फरवरी की है। रिश्तेदार के मुताबिक, गेब्रियल 5 फरवरी को तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कह कर निकला था। लेकिन वह चार लोगों के साथ एक एजेंट की मदद से जॉर्डन पहुंच गया। चारों लोग 3 महीने के पर्यटन वीजा पर जॉर्डन पहुंचे थे। यहां से वे इजराइल की सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। जॉर्डन की सेना ने उन्हें सीमा पर रोक लिया, लेकिन जब वे भागने की कोशिश कर रहे थे, तो सैनिकों ने उन पर गोलियां चला दीं।

इजराइल ने गाजा में मानवीय मदद की एंट्री रोकी, दूसरे फेज के सीजफायर पर सहमति न बनने के चलते लिया फैसला

गाजा, एजेंसी। इजराइल ने रविवार को गाजा में जानी वाली मदद पर एंट्री बैन कर दी है। शनिवार को इजराइल और गाजा के बीच पहले फेज का सीजफायर खत्म हो गया। अगले फेज के लिए कोई सहमति न बनने के चलते इजराइल इससे पीछे हट गया है। इजराइली पीएम के ऑफिस ने इस फैसले को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी है लेकिन ये चेतावनी दी है कि अगर हमास सीजफायर जारी रखने के अमेरिकी प्रस्ताव को नहीं मानेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। दरअसल, इजराइल ने अमेरिका समर्थित एक प्रस्ताव को अपनाने की बात कही थी, जिसके तहत रमजान और पासओवर के दौरान सीजफायर जारी रखने की योजना थी। इसके बदले, गाजा में बचे हुए आधे बंधकों को रिहा करने की शर्त रखी गई थी।

बोलीविया में बस दुर्घटना में 37 लोगों की मौत, 39 घायल

सूक्रे, एजेंसी। बोलीविया के पोटोसी क्षेत्र में शनिवार (स्थानीय समयानुसार) सुबह सात बजे दो बसों की भिड़ंत हो गई। हादसे में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई। जबकि 39 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हादसा उयूनी और कोलचानी के बीच हुआ, जब एक बस सड़क की विपरीत लेन में चली गई। पोटोसी के विभागीय पुलिस कमांड के प्रवक्ता ने बताया कि घायलों को उयूनी शहर के चार अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस कर्मी हादसे में मरे लोगों और घायलों की पहचान करने में लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक बस ओरुरो जा रही थी, जहां एक बड़ा कार्निवल समारोह चल रहा है। अधिकारियों को शक है कि जीवित बचे ड्राइवरों में से एक ने दुर्घटना से पहले शराब पी थी। यात्रियों ने कथित तौर पर उसे शराब पीते हुए देखा था।

पुतिन को बातचीत की मेज पर लाने का प्रयास, रुबियो बोले- यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता की संभावना के बारे में चल रही चर्चाओं पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस समय की प्राथमिकता रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है। रुबियो ने एक साक्षात्कार में इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी शांति स्थापना पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा आश्वासन तभी सार्थक हो सकते हैं, जब पहले शांति समझौता हो। रुबियो ने कहा, सुरक्षा गारंटी- जिसे मैं निवारण कहना पसंद करता हूं- सभी शांति होने पर निर्भर हैं। हर कोई शांति के लिए सुरक्षा गारंटी की बात कर रहा है, लेकिन हमें पहले शांति स्थापित करनी होगी। हालांकि, हम नहीं जानते कि शांति संभव है या नहीं।

लंदन शिखर सम्मेलन में जेलेंस्की ने की यूरोप के मजबूत समर्थन की प्रशंसा

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार (स्थानीय समय) को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन को मिले समर्थन के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने यूक्रेन की स्वतंत्रता और सुरक्षा का समर्थन करने में यूरोप द्वारा अपनाए गए एकजुट रुख पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि लंदन में शिखर सम्मेलन यूक्रेन और हमारे साझा यूरोपीय भविष्य को समर्पित था.

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम यूक्रेन, हमारे लोगों - सैनिकों और नागरिकों दोनों के लिए और हमारी स्वतंत्रता के लिए मजबूत समर्थन महसूस करते हैं. जेलेंस्की ने यूरोप के भीतर उच्च स्तर की एकता पर भी प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि यह लंबे समय से नहीं देखा गया था.

उन्होंने लिखा कि हम यूरोप में मिलकर सच्ची शांति और गारंटीकृत सुरक्षा की खोज में अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक ठोस आधार स्थापित करने के लिए काम कर रहे हैं. यूरोप की एकता असाधारण रूप से उच्च स्तर पर है, जो लंबे समय से नहीं देखी गई है. उन्होंने कहा कि हम अपने भागीदारों के साथ सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन के लिए न्यायपूर्ण शांति की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं. जेलेंस्की ने कहा कि निकट भविष्य के लिए कई महत्वपूर्ण बैठकें और निर्णय तैयार किए जा रहे हैं. उन्होंने यूक्रेन के लिए एक स्थिर और गारंटीकृत शांति का समर्थन करने के लिए वैश्विक समुदाय के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि मैं यूक्रेन में एक स्थिर और गारंटीकृत शांति लाने के लिए अपने सभी मित्रों और भागीदारों के प्रयासों के लिए उनका आभारी हूं. उन्होंने कहा कि संयुक्त ताकत हमारे भविष्य की रक्षा कर सकती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, शिखर सम्मेलन के दौरान, यूके के प्रधान मंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि यह अधिक बातचीत का समय नहीं है।

यूक्रेन अभी भी अमेरिका के साथ खनिज सौदा करने को तैयार: जेलेंस्की

लंदन, एजेंसी। बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि वह बिना किसी समझौते के जाने के बावजूद अमेरिका के साथ खनिज सौदे पर हस्ताक्षर करने के लिए अभी भी तैयार हैं. लंदन में पत्रकारों से बात करते हुए, जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी हालिया मुलाकात कठिन रही. हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि यूक्रेन अपने सहयोगियों के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है, उन्होंने कहा कि मैं बस इतना चाहता हूं कि यूक्रेनी स्थिति को सुना जाए. खनिज सौदे को मूल रूप से दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम के रूप में देखा गया था. हालांकि, इस बीच अमेरिका और यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ गया है. खासकर रूस के साथ शांति वार्ता को कैसे संभाला जा रहा है. ओवल ऑफिस में जेलेंस्की, ट्रंप और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच तीखी नोकझोंक के बाद स्थिति और खराब हो गई, जहां यूक्रेनी नेता समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना चले गए. अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने सीबीएस न्यूज को बताया कि शांति समझौते के बिना आर्थिक समझौता करना असंभव है. उन्होंने बातचीत को निजी रखने के बजाय सार्वजनिक रूप से चर्चाओं को पुनः शुरू करने के लिए जेलेंस्की की आलोचना की. असहमति के बावजूद, जेलेंस्की ने कहा कि अगर उन्हें आमंत्रित किया जाता है तो वे व्हाइट हाउस जरूर जायेंगे.

ऑस्कर 2025 : एड्रिअन ब्रॉडी को बेस्ट एक्टर , मिकी मेडिसन रहीं बेस्ट एक्ट्रेस

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। 97वें ऑस्कर अवॉर्ड में 'द ब्रूटलिस्ट' के सितारे बुलंद हैं। 10 कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'द ब्रूटलिस्ट' की झोली में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड गिरा। वहीं, मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड अपने नाम किया। 23 कैटेगरी (श्रेणियों) में ऑस्कर विजेताओं की घोषणा हो चुकी है। सबसे ज्यादा 5 अवॉर्ड फिल्म अनोरा ने बेस्ट पिक्चर, बेस्ट डायरेक्शन, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट एडिटिंग, बेस्ट एक्ट्रेस कैटेगरी में जीते। वहीं दूसरे नंबर पर द ब्रूटलिस्ट को 3 अवॉर्ड मिले हैं।

'द ब्रूटलिस्ट' को अलग-अलग कैटेगरी में कुल 10 नॉमिनेशन मिले थे। मिकी मेडिसन ने फिल्म अनोरा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का ऑस्कर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया। 'द ब्रूटलिस्ट' के निर्माता-निर्देशक ब्रैडी कॉर्बेट हैं। द ब्रूटलिस्ट एक आर्किटेक्ट लास्जलो टोथ की कहानी कहती है, जो अपने करियर और शादी को संभालने की कोशिश में लगा रहता है और इसके लिए वह अमेरिका चला जाता है। फिल्म में एड्रियन ब्रॉडी, फेलिसिटी जोन्स, गाइ पीयर्स और जो अल्विन जैसे कलाकार अहम भूमिका में हैं।

अनोरा सीन बेकर के निर्देशन में बनी फिल्म है, जो कि एक सेक्स वर्कर की शादी पर आधारित है। 97वें एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर में भारत की तरफ से शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट होने वाली फिल्म 'अनुजा' पुरस्कार पाने से चूक गई। इस कैटेगरी में फिल्म 'आई एम नॉट ए रोबोट' ने बाजी मारी। डच फिल्म निर्माता विक्टोरिया वार्मरडैम और निर्माता ट्रेंट की फिल्म आई एम नॉट ए रोबोट के लिए बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट का पुरस्कार जीतकर अनुजा के सपने को तोड़ दिया।

संघर्ष के कारण महीनों तक बंद रहने के बाद इजरायल में फिर से खुले स्कूल

यरूसलम, एजेंसी। उत्तर इजरायल में लगभग डेढ़ साल बाद स्कूल दोबारा खुले हैं। अक्टूबर 2023 में लेबनान सीमा पर इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद ये स्कूल बंद कर दिए गए थे। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, इजरायली शिक्षा मंत्रालय ने कहा कि स्कूलों को धीरे-धीरे खोला जाएगा क्योंकि युद्ध के दौरान स्कूलों की इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, और बहुत से छात्र अपने परिवारों के साथ देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में चले गए थे। रविवार को अभिभावकों के लिए जारी एक सूचना में मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 में उत्तरी इजरायल के 43 शहरों, कस्बों और गांवों के 195 स्कूलों और किंडरगार्टन के करीब 12,600 छात्रों को उनके परिवारों के साथ निकाला गया था। मंत्रालय ने कहा कि अब प्रत्येक परिवार यह तय कर सकता है कि वे अपने घर लौटकर बच्चों को फिर से पुराने स्कूल में दाखिला दिलाएं या जहां वे स्थानांतरित हुए थे, वहीं पढ़ाई जारी रखें। इसके अलावा, सरकार ने स्कूल के बाद की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए 50 मिलियन शेकेल (करीब 13.89 मिलियन डॉलर) का बजट जारी किया है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, वेंटिलेटर हटाए गए; अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं

रोम, एजेंसी। पोप फ्रांसिस की हालत फिलहाल स्थिर है और अब उन्हें किसी भी तरह के वेंटिलेशन की जरूरत नहीं है। यह संकेत है कि उन्होंने शुक्रवार को आई सांस की तकलीफ को सफलतापूर्वक पार कर लिया है और उनकी फेफड़ों की स्थिति में सुधार हो रहा है। पोप फिलहाल निमोनिया के दोहरे वार से उबर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक पोप अभी भी हाई-फ्लो ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं, लेकिन शुक्रवार को आए तेज खांसी के दौरे के बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर जो चिंता थी, वह अब कुछ हद तक कम हो गई है। डॉक्टरों ने रविवार को उनकी सेहत के बारे में बताया कि वे स्थिर हैं, लेकिन अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। अस्पताल में पूजा-अर्चना और काम जारी

पोप फ्रांसिस 14 फरवरी से रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती हैं। रविवार को उन्होंने सुबह वेटिकन के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट कार्डिनल

पिएत्रो पैरोलिन और उनके चीफ ऑफ स्टाफ आर्चबिशप एडगर पेना पार्रा से मुलाकात की। हालांकि, उनकी बातचीत का विषय सार्वजनिक नहीं किया गया।

यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना: पूरे दिन पोप ने आराम किया, अपनी निजी चैपल में प्रार्थना की और मास में हिस्सा लिया। वे वेटिकन से बाहर होने के कारण हर रविवार को दिए जाने वाले दोपहर के आशीर्वाद में भी शामिल नहीं हो पाए। इसके बजाय, वेटिकन ने जेमेली अस्पताल से ही उनका एक संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने डॉक्टरों और शुभचिंतकों का धन्यवाद किया। पोप ने अपने संदेश में यूक्रेन और दुनिया भर में शांति की प्रार्थना की और कहा कि अस्पताल में रहकर उन्हें महसूस हो रहा है कि युद्ध कितनी बेतुकी चीज है।

सेहत में सुधार के संकेत दिखे: डॉक्टरों के अनुसार, शुक्रवार को पोप की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी, जब उन्हें खांसी के दौरे के दौरान उल्टी सांस की नली में चली गई। इससे संक्रमण का खतरा बढ़ गया था। डॉक्टरों ने तुरंत इलाज किया और उन्हें एक विशेष ऑक्सीजन मास्क पर रखा। शनिवार को उन्होंने ऑक्सीजन सपोर्ट और वेंटिलेशन दोनों का सहारा लिया, लेकिन रविवार तक वेंटिलेटर की जरूरत खत्म हो गई। डॉक्टरों ने यह भी बताया कि पोप को बुखार नहीं है और उनके खून में सफेद रक्त कणिकाओं (व्हाइट ब्लड सेल्स) की संख्या सामान्य है, जो यह दर्शाता है कि उनके शरीर में कोई नया संक्रमण नहीं हुआ है। शुक्रवार के बाद डॉक्टरों को 24 से 48 घंटे का इंतजार करना था, ताकि यह देखा जा सके कि क्या पोप की सेहत पर कोई नकारात्मक असर पड़ा है। रविवार को आई रिपोर्ट्स से यह स्पष्ट हुआ कि पोप संक्रमण के खतरे से बच गए हैं। पोप फ्रांसिस ने युवावस्था में अपने एक फेफड़े का एक हिस्सा हटवाया था, इसलिए उन्हें पहले से ही फेफड़ों की बीमारी है।

दुनियाभर से प्रार्थनाएं जारी: पोप की बीमारी के कारण दुनिया भर से उनके लिए दुआएं और प्रार्थनाएं की जा रही हैं। इस समय वेटिकन में पवित्र वर्ष मनाया जा रहा है, जिसके कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु रोम आ रहे हैं।

शेख हसीना के शासन काल में अत्याचारों के रिकॉर्ड होंगे संरक्षित

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रशासन के तहत किए गए कथित अत्याचारों के अभिलेखों के सावधानीपूर्वक संरक्षण का आह्वान किया है। एक स्थानीय अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान, यूनुस ने इस बात पर जोर दिया कि उचित अभिलेखीय प्रणाली के बिना सच्चाई जानना और न्याय सुनिश्चित करना मुश्किल है।

यूनुस ने किया न्यायिक हत्याओं का उल्लेख: मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य सलाहकार ने संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर ग्वेन लुईस और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार विशेषज्ञ हुमा खान के साथ अपनी बातचीत के दौरान शापला चत्तर में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, देलवर हुसैन सईदी फैसले के बाद प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बर्बरता और कथित न्यायेतर हत्याओं के वर्षों का हवाला दिया। इसके जवाब में, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने मानवाधिकारों के हनन के दस्तावेजीकरण में बांग्लादेश की सहायता करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की। तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञता की पेशकश करते हुए लुईस ने कहा, यह उपचार और सत्य-निर्माण की एक प्रक्रिया है।

शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी

मोहम्मद यूनुस ने जुलाई-अगस्त 2024 में हुए उत्थान के बाद संयुक्त राष्ट्र की तरफ से प्रकाशित मानवाधिकार उल्लंघन पर आधारित रिपोर्ट की सराहना की, जिससे 15 वर्षों तक चलने वाली अवामी लीग सरकार का पतन हो गया। लुईस ने बताया कि मानवाधिकार परिषद में 5 मार्च को जेनेवा में यह रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। वहीं इस बैठक में रोहिंग्या शरणार्थियों की स्थिति पर भी चर्चा की गई। लुईस ने शरणार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता में कमी की चिंता व्यक्त की। इस पर यूनुस ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि संयुक्त राष्ट्र ने यह रिपोर्ट प्रकाशित की है; यह समय पर है।

13-16 मार्च तक बांग्लादेश के दौरे पर रहेंगे गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस 13-16 मार्च तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे। ग्वेन लुईस का कहना है कि उनका दौरा शरणार्थी संकट पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने में मदद करेगा। लुईस ने कहा, हम पैसे की स्थिति को लेकर बहुत चिंतित हैं, उन्होंने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए खाद्य आपूर्ति और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति माह 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर की जरूरत है।

उरुग्वे के राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण में पहुंचे पाबित्रा मार्गेरिटा

मोंटेवीडियो, एजेंसी। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने रविवार को उरुग्वे के राष्ट्रपति यामांडू ओरसी और उपराष्ट्रपति कैरोलिना कॉसे के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने उरुग्वे की नई सरकार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

मार्गेरिटा ने कहा कि वे भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हैं। मार्गेरिटा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, उरुग्वे की नई सरकार को भारत के प्रधानमंत्री की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। इस ऐतिहासिक अवसर पर उरुग्वे के लोगों को बधाई। भारत-उरुग्वे साझेदारी को और मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हूं।

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की: इससे पहले शनिवार को, मार्गेरिटा ने उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां भारतीय प्रवासियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस तरह से भारत-उरुग्वे संबंधों को मजबूत करने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मोंटेवीडियो, उरुग्वे में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय समुदाय से बातचीत की। महात्मा गांधी की विरासत को कायम रखने और भारत-उरुग्वे के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने पर गर्व है।

उरुग्वे के उद्योग मंत्री फर्नांडा कार्डोना से की मुलाकात: इससे पहले, मार्गेरिटा ने मोंटेवीडियो में उरुग्वे के उद्योग, ऊर्जा और खनन मंत्री (नामित) फर्नांडा कार्डोना से भी मुलाकात की और आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, फर्नांडा कार्डोना से मिलकर खुशी हुई। आपसी हितों के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और हमने दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा और विविधतापूर्ण बनाने पर सहमति व्यक्त की।

जापान में जंगल की आग से निपटने के लिए करीब 1,700 अग्निशामक तैनात

ओफुनाटो, एजेंसी। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि करीब 1,700 अग्निशामक तीन दशकों में जापान की सबसे बड़ी जंगल की आग से जूझ रहे हैं. करीब 4,600 निवासियों को निकासी सलाह के तहत रखा गया है. पिछले सप्ताह इवाते के उत्तरी क्षेत्र में लगी आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी. बता दें कि इस साल रिकॉर्ड कम बारिश और पिछले साल जापान में रिकॉर्ड की सबसे गर्म गर्मी के बाद इस तरह की वारदातें बढ़ गई है.

अग्निशमन और आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि गुरुवार से ओफुनाटो शहर के पास लगी आग ने करीब 2,100 हेक्टेयर (4,450 एकड़) क्षेत्र को जलाकर राख कर दिया है. टोक्यो की इकाइयों सहित 14

जापानी क्षेत्रों के अग्निशामक अब आग से निपट रहे हैं, 16 हेलीकॉप्टरों के साथ (इनमें सेना के हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं) आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं.

एजेंसी ने कहा कि रविवार तक 84 इमारतों को नुकसान पहुंचने का अनुमान है, हालांकि विवरण का अभी भी आकलन किया जा रहा है. अधिकारियों के अनुसार, लगभग 2,000 लोग दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए क्षेत्र छोड़ चुके हैं, जबकि 1,200 से अधिक लोगों को आश्रय स्थलों में ले जाया गया है.

राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके पर ओफुनाटो से सुबह-सुबह फुटेज में इमारतों के पास नारंगी लपटें और हवा में सफेद धुआं उठता हुआ दिखाई दिया. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 1970 के दशक में चरम पर पहुंचने के बाद से जापान में जंगल की आग की संख्या में कमी आई है. लेकिन 2023 में देश भर में लगभग 1,300 जंगल की आग होंगी, जो फरवरी से अप्रैल की अवधि में केंद्रित होंगी जब हवा सूख जाती है और हवाएं तेज हो जाती हैं. फरवरी में ओफुनाटो में केवल 2.5 मिलीमीटर (0.1 इंच) बारिश हुई, जिसने 1967 में महीने के लिए 4.4 मिलीमीटर के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया और सामान्य औसत 41 मिलीमीटर से कम रही. अधिकारियों ने बताया कि रविवार को उत्तरी जापान के कई हिस्सों से हजारों लोगों को निकाला गया. जापान में तीन दशकों में लगी सबसे बड़ी जंगल की आग ने कम से कम एक व्यक्ति की जान ले ली है. अधिकारियों के अनुसार, उत्तरी जापान के शहर ओफ़ुनाटो के आस-पास के इलाकों से लगभग 2,000 लोग अपने दोस्तों या रिश्तेदारों के साथ रहने के लिए भाग गए, जबकि 1,200 से ज्यादा लोगों को आश्रय स्थलों पर ले जाया गया.

यूपी में सपा नेता की गला रेत कर हत्या, गांव में तनाव के चलते पुलिस बल तैनात

जौनपुर (एजेंसी)। यूपी के जौनपुर में बाइक सवार बदमाशों ने धारदार हथियार से सोमवार देर रात समाजवादी पार्टी नेता की गला काट कर हत्या कर दी। उनका शव परियावा गांव में टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। हत्या के बाद वहां लोगों में आक्रोश फैल गया। हत्या की जानकारी मिलते ही एसपी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तनाव को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक लाइन बाजार थाना क्षेत्र परियावां गांव के रहने वाले राजेश यादव नाटे सक्रिय सपा कार्यकर्ता थे। वह बूथ अध्यक्ष थे। सोमवार देर रात उनका शव गांव के ही टेलीफोन एक्सचेंज के पास सड़क किनारे मिला। उनका गला काटकर हत्या की गइ थी। किसी ने सपा नेता का शव देखा तो शोर मचाया। सपा नेता का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। पुलिस को लोगों से पूछताछ चुनावी रंजिश और वर्चस्व में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सपा नेता की हत्या की सूचना मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या मौके पर पहुंचे और मीडिया से बातचीत में कहा कि मृतक राजेश यादव हमारे पार्टी का बूथ अध्यक्ष थे, जो रात में बाजार से घर लौट रहे थे। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार बदमाशों ने राजेश यादव की हत्या कर फरार हो गए। वहीं कानून व्यवस्था पर भी सपा जिलाध्यक्ष राकेश ने सवाल उठाए हैं। एसपी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि हत्या की जांच शुरू कर दी गई है और टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी हो जाएगी।

ओडिशा हाईकोर्ट ने 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात की अनुमति दी

कटक (एजेंसी)। ओडिशा हाईकोर्ट ने 6 माह (27 हफ्ते) की गर्भवती 13 साल की रेप पीड़ित को गर्भपात (अबॉर्शन) की अनुमति दी है। पीड़िता सिकल सेल एनीमिया और मिर्गी से पीड़ित है। कोर्ट ने माना कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के जीवन और सेहत को गंभीर खतरा है। बीमारियों की वजह से बच्चे को जन्म देना उसके लिए बहुत खतरनाक हो सकता था। कंधमाल निवासी पीड़ित अनुसूचित जाति (एससी) से है। पिछले साल एक लड़के ने उसके साथ कई बार रेप कर जान से मरने की धमकी दी। इस डर से बच्ची ने घर पर कुछ नहीं बताया। जब बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी, तब मां डॉक्टर के पास ले गई। इसके बाद रेप का मामला सामने आया। 11 फरवरी को पीड़ित के माता-पिता ने एफआईआर दर्ज करवाई। बच्ची की मेडिकल जांच हुई। जांच में प्रेग्नेंसी सामने आई। इसके बाद मामला उड़ीसा हाईकोर्ट पहुंचा, जहां बच्ची के पिता ने गर्भपात की इजाजत मांगी। इसके बाद कोर्ट ने मेडिकल कॉलेज को मेडिकल बोर्ड बनाने का आदेश दिया था। बोर्ड ने कोर्ट को बताया कि प्रेग्नेंसी से बच्ची के फिजिकल और मेंटल हेल्थ को गंभीर खतरा होगा। रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने याचिका पर कोई आपत्ति नहीं जाहिर की।

मार्च में ही गर्मी दिखाने लगी असर, कई जिलों में पारा 35 से 38 डिग्री पार

-होली पर गर्म हवाएं चलने का मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार मार्च में तेज गर्मी झेलनी पड़ सकती है। सर्दी के मौसम में तुलनात्मक रूप से बारिश कम हुई है। इसके असर से तापमान में बढ़त देखने को मिल रही है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार मार्च में कई जिलों में तापमान 35 से 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। आगरा गर्म रहने वालों जिलों में से एक है। बुधवार से यहां दिन में तेज हवाएं चलेंगी। इस बार मार्च से मई के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से अधिक रहने के संकेत हैं, बल्कि हीटवेव में भी इजाफा हो सकता है। होली पर भी लू चल सकती है। सर्दियों में पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रही। यही कारण है कि सामान्य से 88 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई है। इससे फरवरी का अंत असामान्य रूप से गर्म रहा है। इन गर्मियों में भी पश्चिमी विक्षोभों की सक्रियता में कमी रहने का अनुमान है। प्रशांत महासागर में कमजोर ला-नीना परिस्थितियों के आगामी सीजन के दौरान तटस्थ नीनो परिस्थितियों में संभावित परिवर्तन के आसार हैं। मौसम विभाग की मानें तो बुधवार और गुरुवार को आगरा में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इन दोनों दिनों में दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक आगरा में दिन का तापमान 31.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। ये सामान्य से 3.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। न्यूनतम तामपान 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस कम है। हवा में आर्द्रता 75 फीसदी रही है। चिकित्सकों के मुताबिक स्वास्थ्य के प्रति सावधानी जरूरी है।

पाकिस्तानी लड़की ने की सीआरपीएफ जवान से शादी, 15 दिन के वीजा पर आई भारत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू के भलवाल गांव में एक अनोखी प्रेम कहानी सामने आई है। सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद ने पाकिस्तानी दुल्हन मनेल खान से शादी की है। मनेल 15 दिन के वीजा पर भारत आई हैं। ये शादी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई थी। भारत-पाकिस्तान के तनावपूर्ण रिश्तों के बीच यह शादी चर्चा का विषय बन गई है। मुनीर अहमद सीआरपीएफ में जवान हैं और शिव खोरी, रियासी जिले, जम्मू-कश्मीर में तैनात हैं। उनकी दुल्हन मनेल खान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गुजरांवाला इलाके के मोहम्मद असगर खान की बेटी हैं। 24 मई 2024 को दोनों ने अनोखे अंदाज में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शादी की थी, क्योंकि वीजा मिलने में दिक्कत थी। शादी के बाद मनेल को 15 दिन का वीजा मिला। इसके बाद वह अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत आई हैं। ससुराल वालों ने उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया। मनेल के आने की खबर सुनकर गांव वाले भी उन्हें देखने के लिए उमड़ पड़े।

क्या दक्षिण भारत से होगा बीजेपी का नया अध्यक्ष? इन नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी को होली के बाद और 21 मार्च से पहले किसी भी समय अपना अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलने की संभावना है। इसको लेकर लगातार चर्चाओं का दौर जारी है। माना जाता है कि 21 से 23 मार्च तक बैंगलोर में होने वाली राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक से पहले भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। हालांकि, भाजपा का नया अध्यक्ष कौन होगा, इसपर फैसला अब तक नहीं हो सका है। हालांकि, कई नामों को लेकर अटकलों का दौर जारी है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए पार्टी संविधान के तहत 50 फीसदी राज्यों में संगठन चुनाव को लेकर भाजपा नए सिरे से सक्रिय हो गई है। चयनित राज्यों को 14 मार्च तक संगठन चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। अब तक, पार्टी 50 प्रतिशत की कसौटी पर खरा उतरने के लिए आवश्यक 18 राज्यों में से केवल 12 में ही संगठनात्मक चुनाव करा पाई

है। बीजेपी के एक सूत्र की मानें तो अगले कुछ दिनों में पार्टी बाकी छह राज्यों में अपने संगठनात्मक चुनाव संपन्न कराने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

आने वाले वर्षों में भाजपा का मुख्य फोकस दक्षिण पर होगा, इसलिए संभावना है कि अगला भाजपा अध्यक्ष विंध्य के दक्षिण से आएगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी, जो आंध्र प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष भी थे, का नाम चर्चा में है। संयोग से, वह उस राज्य से आते हैं जिसने बंगारू लक्ष्मण को जन्म दिया, जो आगे चलकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। एक और नाम जो दक्षिण से चर्चा में है वह आंध्र प्रदेश से भी है - दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, जो वर्तमान में एनडीए शासित राज्य में भाजपा प्रमुख हैं।

बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और कोयंबटूर से विधायक वनाथी श्रीनिवासन की भी चर्चा हो रही है। हालाँकि, पिछले साल की शुरुआत से, धर्मेंद्र प्रधान, विनोद तावड़े और भूपेन्द्र यादव का नाम लगातार उनकी संगठनात्मक क्षमता और टीम वर्क मानसिकता के कारण संभावितों में शामिल हो रहा है। जब उनसे अगले संभावित बीजेपी अध्यक्ष के बारे में पूछा गया तो बीजेपी सूत्र ने हंसते हुए कहा, 'हम भी उतना ही जानते हैं जितना आप अगले बीजेपी अध्यक्ष के बारे में जानते हैं। दरअसल, हम नए नामों के बारे में जानने के लिए टीवी या वेबसाइट देखते हैं।'

किसान चंडीगढ़ कूच करते उसके पहले ही पुलिस ने कर दिया बड़ा एक्शन, कई नेता हिरासत में

टांडा (एजेंसी)। पंजाब में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा 5 मार्च को चंडीगढ़ में धरना प्रदर्शन के ऐलान के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। इसके चलते पुलिस ने अनेक किसान नेताओं के घरों पर छापेमारी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। जानकारी अनुसार किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को रात करीब 2:30 बजे हिरासत में लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष जंगवीर सिंह चौहान को टांडा पुलिस ने सुबह 4 बजे उनके गांव रसूलपुर से हिरासत में लिया। बीकेयू कादियां के जिला लुधियाना अध्यक्ष हरदीप सिंह ग्यासपुरा, मोहन सिंह संधेर, और बलबीर सिंह खीरनिया को भी हिरासत में लिया गया। समराला विधानसभा क्षेत्र में करीब एक दर्जन जगहों पर छापेमारी कर कई अन्य किसान नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि सीएम भगवंत मान और किसान नेताओं के बीच चली बैठक बेनतीजा रही है। चंडीगढ़ कूच से पहले किसान संगठनों और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन बैठक विवादों में घिर गई। सीएम भगवंत मान ने किसानों से चक्का जाम और आंदोलन न करने की अपील की, लेकिन किसानों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे सीएम बीच में ही बैठक छोड़कर चले गए। इस बैठक के बाद सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा— सड़कों और रेल को रोकना किसी समस्या का हल नहीं है। इससे आम जनता को परेशानी होती है और कारोबार प्रभावित होता है।

नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले डीके शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के नेतृत्व पर नए सिरे से चर्चा के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। यह बैठक वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए शिवकुमार का पुरजोर समर्थन करने के कुछ दिनों बाद हुई। हालांकि, शिवकुमार ने कहा कि खड़गे से मुलाकात प्रोटोकॉल का मामला था। उन्होंने कहा कि वह मेरे अध्यक्ष हैं। वह मेरे नेता है। एक प्रोटोकॉल है कि मुझे जाकर उन्हें रिसीव करना है, इसलिए मैं गया।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने खड़गे को बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय के शिलान्यास समारोह में भी आमंत्रित किया था। उन्होंने कहा कि हम बेंगलुरु में नए कांग्रेस कार्यालय की नींव रख रहे हैं। मैंने उन्हें इसके लिए भी आमंत्रित किया है। इससे पहले, मोइली ने कहा कि शिवकुमार ने अपने नेतृत्व और पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों से यह पद हासिल किया है। उन्होंने कहा कि यहाँ-वहाँ बयान हो सकते हैं, लेकिन उन्हें मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। कुछ लोग व्यक्तिगत कारणों से उनकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन इससे कुछ भी नहीं बदलेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवकुमार का नेतृत्व श्रद्धेय जैन देवता की तरह फलेगा-फूलेगा। उन्होंने कहा कि आपने (डीके शिवकुमार) अच्छा नेतृत्व दिया है। आपने पार्टी बनाई है। लोग बयानबाजी कर रहे हैं लेकिन आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसे लेकर उत्तेजित होने की जरूरत नहीं है। आपको सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री बनना कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे उपहार के रूप में दिया जाना चाहिए, यह कुछ ऐसा है जो उन्होंने कड़ी मेहनत से अर्जित किया है।

आकाश आनंद का हो रहा था नया गुट तैयार, मायावती ने दिखाया बाहर का रास्ता

-बसपा सुप्रीमो के करीबी नेताओं की हो रही थी उपेक्षा, इसलिए उठाया सख्त कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती इस वक्त फुल एक्शन में हैं। वह अचानक लिए फैसलों से सबको हैरान कर रही हैं। इस बार तो उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को ही पार्टी से निकाल दिया है। पहले आकाश आनंद को मायावती ने नेशनल कॉर्डिनेटर के पद से हटाया और फिर सोमवार को उन्हें बसपा से ही बाहर निकाल दिया। उनके इस फैसले को पार्टी के अंदर पैदा हुए संकट से जोड़कर देखा जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट में पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि आकाश आनंद को मायावती ने उत्तराधिकारी घोषित किया था तो दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों का प्रभारी भी बनाया था। वह चुनाव की कमान संभाल रहे थे। उम्मीदवार उनके स्तर पर तय हो रहे थे तो वहीं प्रचार का भी वही नेतृत्व कर रहे थे। 2017 में आकाश आनंद के पिता आनंद कुमार को मायावती ने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। इसके बाद 2019 में आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक बनाया। 2023 में उन्हें अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया। कुछ महीने सब ठीक चला, लेकिन लोकसभा चुनाव में आकाश के आक्रामक तेवरों और सीधे पीएम मोदी पर हमले को मायावती ने सही नहीं माना। उन पर एफआईआर हुई तो पद से ही हटा दिया। फिर से वापसी कराई गई तो आकाश को फिर सभी जिम्मेदारी मिल गई, लेकिन अब बाजी फिर पलट गई। बुआ मायावती ने आकाश से सारे पद छीने लिए हैं और उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इसकी वजह यह बताई जा रही है कि आकाश का अपना एक गुट तैयार हो गया था। यह गुट मायावती के करीबी नेताओं की उपेक्षा कर रहा था। इससे बचने के लिए उन्होंने भतीजे को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनकी जगह पर अपने भाई आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी है और यह भी साफ कर दिया है कि कोई उनका राजनीतिक वारिस नहीं होगा। इस तरह उन्होंने सत्ता का कोई दूसरा केंद्र उभरने की संभावना ही खत्म कर दी है। रामजी गौतम को भी राष्ट्रीय संयोजक बनाया है, जो उनके बेहद करीबी हैं।

बसपा के कुछ नेताओं का कहना है कि आकाश आनंद को कमान मिली तो रामजी गौतम साइडलाइन हो गए थे। इसके अलावा भी मायावती के कई करीबी किनारे लगे थे। ऐसे में मायावती ने भतीजे को ही हटाना सही समझा ताकि कोई दूसरा गुट न उभर सके।

पहले से कमजोर बसपा में गुटबाजी होना उनके लिए चिंता की बात है। आकाश पर एक आरोप फंड में गड़बड़ी का भी लगा है। मायावती ने उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को बाहर किया था और उनसे करीबी बनाए रखने की सजा भी उन्होंने भतीजे को दी है। इस तरह मायावती ने यह संदेश भी दिया है कि उनके लिए सब एक समान हैं। यदि कोई परिवार का है तो उसे वह कोई छूट नहीं देंगी।

फास्टैग में लो बैलेंस या भुगतान में देरी हुई तो देना होगा अतिरिक्त शुल्क

-सरकार के सख्त कदम से गलत टोल कटौती के मामलों में आई कमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सख्त कदम उठाए हैं और गलत टोल कटौती के मामलों में भारी कमी दर्ज की है। फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम है, जो गाड़ी के फ्रंट शीशे पर लगाया जाता है और आपके प्रीपेड वॉलेट से जुड़ा होता है। जब वाहन टोल प्लाजा से गुजरता है, तो रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) तकनीक के अपने आप भुगतान हो जाता है। एनपीसीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर 2024 में फास्टैग लेनदेन 6 फीसदी बढ़कर 38.2 करोड़ हो गए, जबकि इसका कुल मूल्य 9 फीसदी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपए हो गया।

कई बार टोल ऑपरेटर वाहन का गलत नंबर दर्ज कर देते हैं। जब फास्टैग ठीक से स्कैन नहीं करता तो ऑपरेटर मैन्युअल रूप से एंट्री करता है, जिससे गलत कटौती हो जाती है। स्कैनर में तकनीकी दिक्कत या सिस्टम एरर के कारण भी यह समस्या आती है। गलत टोल कटौती के मामलों पर हाईवे ने सख्ती बरती है। कम से कम 250 मामलों में टोल ऑपरेटरों को दंडित किया है। टोल प्रबंधन इकाई ने 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया। इस सख्ती से 70 फीसदी तक मामलों में कमी आई और अब हर महीने 50 शिकायतें मिल रही हैं।

सरकार ने फास्टैग को लेकर नए नियम लागू किए हैं जिसमें अगर फास्टैग में लो बैलेंस है या भुगतान में देरी होती है, तो अतिरिक्त शुल्क देना होगा। टोल से गुजरने के 10 मिनट बाद तक फास्टैग सक्रिय नहीं रहा, तो लेनदेन अस्वीकार हो जाएगा। टोल पार करने के 15 मिनट बाद भुगतान होने पर अतिरिक्त शुल्क लग सकता है। बैंकों और डिजिटल वॉलेट्स से फास्टैग खरीदा जा सकता है। टोल प्लाजा और पेट्रोल पंप पर भी फास्टैग उपलब्ध होते हैं। इसे समय-समय पर रिचार्ज करना जरूरी है। एनएचएआई की कड़ी निगरानी और सख्त जुर्माने से गलत फास्टैग कटौती के मामले कम हुए हैं, लेकिन अगर आपके साथ यह समस्या हो, तो शिकायत दर्ज कराकर पैसे वापस लिए सकते हैं।

यूपी विधानसभा के प्रवेश द्वार पर थूका पान मसाला, भड़क गए अध्यक्ष

कहा- सदन की गरिमा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक अनुशासनहीन की घटना पर नाराजगी जताई है। मंगलवार को विधानसभा की कार्यवाही शुरु होने से पहले विधानसभा मंडप के प्रवेश द्वार पर पान मसाला खाकर थूके जाने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल वहां जाकर सफाई करवाई और इस अव्यवस्थित व्यवहार की भर्त्सना की।

इसके बाद सदन को संबोधित करते हुए अध्यक्ष महाना ने कहा कि विधानसभा के प्रति केवल किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस अनुशासनहीन कृत्य का वीडियो उपलब्ध है, लेकिन किसी सदस्य को सार्वजनिक रूप से अपमानित करना उनका उद्देश्य नहीं है। इसके बावजूद उन्होंने सभी सदस्यों से अपील की कि यदि भविष्य में वे किसी को ऐसा करते देखें, तो उसे वहीं रोकें और विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करें।

अध्यक्ष महाना ने कहा कि जिसने यह कार्य किया है, वह खुद आगे आकर स्वीकार करे, अन्यथा उन्हें बुलाना पड़ेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यूपी विधानसभा प्रदेश के 25 करोड़ नागरिकों का सम्मान और उनकी आस्था का प्रतीक है। इसकी स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। सत्र के 9वें दिन मंगलवार को बजट पर चर्चा हुई। इससे पहले सोमवार को सदन में काफी गहमागहमी हुई थी। सपा के सदस्यों ने विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव नहीं कराए जाने और कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए के प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने के विरोध में सदन से वॉक-आउट कर दिया था। इसके साथ ही विधानसभा में सोमवार को चार विभागों गन्ना, सिंचाई, कृषि और एमएसएमई विभाग का बजट पास हुआ। इसके साथ ही ऊर्जा और नगर विकास विभाग का बजट पेश हुआ।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभाग के परिव्य को चुकाने और जरूरी खर्चों के लिए 9075 करोड़ 3 लाख 96000 रुपए का प्रस्ताव रखा। जल शक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने 14033 करोड़ 8 लाख 47 हजार 3000 का बजट पेश किया। गन्ना विकास एवं चीनी मिले मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने 769 करोड़ 5 लाख 83 हजार और लघु उद्योग मंत्री राकेश सचान ने 3209 करोड़ 84 लाख 24000 रुपये बजट पेश किया। कटौती प्रस्तावों पर चर्चा के बाद इसे पास किया गया। इसके साथ ही नगर विकास और ऊर्जा विभाग का बजट भी पेश किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायलों को अब मिलेगा डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज

-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सड़क दुर्घटना में घायलों को इसी माह से डेढ़ लाख रुपए तक का फ्री इलाज मिलेगा। यह नियम निजी हॉस्पिटल के लिए भी अनिवार्य होगा। देशभर में इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा। एनएचएआई इसके लिए नोडल एजेंसी का काम करेगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अधिकारी के मुताबिक, योजना के लिए मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 162 में पहले ही संशोधन हो चुका है। इस योजना को पूरी तरह से लागू करने से पहले बीते 5 महीनों में पुडुचेरी, असम, हरियाणा और पंजाब सहित छह राज्यों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया, जो कि सफल साबित हुआ है।

अधिकारी ने बताया कि घायल को

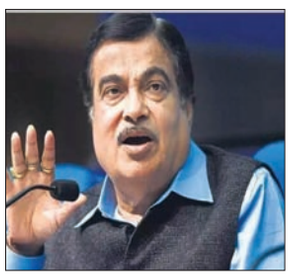

पुलिस या कोई आम नागरिक या संस्था जैसे ही हॉस्पिटल पहुंचाएगी, उसका इलाज तुरंत शुरू होगा। इसके लिए कोई फीस भी जमा नहीं करनी होगी। घायलों के साथ चाहे परिजन हो या नहीं, हॉस्पिटल उसकी देखरेख करेगा। प्राइवेट और सरकारी दोनों ही हॉस्पिटल को कैशलेस इलाज देना होगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च 2024 को रोड एक्सीडेंट पीड़ितों को कैशलेस इलाज देने के लिए पायलट प्रोजेक्ट कैशलेस ट्रीटमेंट योजना शुरु की थी। इसके बाद 7 जनवरी 2025 को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना को देशभर में अधिकारी रुप से लांच करने की घोषणा की। इस योजना के तहत देश में कहीं भी सड़क एक्सीडेंट होने पर घायल व्यक्ति को इलाज के लिए केंद्र सरकार की ओर से अधिकतम 1.5 लाख रुपए की मदद दी जाएगी। जिससे घायल शख्स 7 दिनों तक अस्पताल में इलाज करा सकेगा।

डेढ़ लाख तक कैशलेस इलाज होने के बाद उसके भुगतान में नोडल एजेंसी के रूप में एनएचएआई काम करेगा, यानी इलाज के बाद मरीज या उनके परिजन को डेढ़ लाख तक की रकम का भुगतान नहीं करना है। यदि इलाज में डेढ़ लाख से ज्यादा का खर्च आता है, तब बढ़ा बिल मरीज या परिजन को भरना होगा। सूत्रों का कहना है कि कोशिश यह हो रही है कि डेढ़ लाख की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपए तक किया जा सके।

अब रिश्वत लेने व देने के ठोस सबूत होने पर ही माना जाएगा भ्रष्टाचार

-सुप्रीमकोर्ट ने कहा- आरोप लगाकर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि भ्रष्टाचार तभी माना जाएगा, जब रिश्वत की मांग या लेनदेन के ठोस सबूत मौजूद होंगे। महज शक्ति के दुरुपयोग का आरोप लगाकर किसी अधिकारी को भ्रष्टाचार का दोषी नहीं ठहराया जा सकता। मामला एक फिशिंग ठेकेदार से जुड़ा था, जिसमें एक सरकारी अधिकारी पर बिना टेंडर जारी किए करोड़ों का नुकसान करने का आरोप लगाया था। इसके तहत प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह मामला 27 फरवरी को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अगर कोई अधिकारी सरकारी नीति से भटककर कार्य करता है, तो केवल इस आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि उसने रिश्वत ली है। जब तक यह साबित नहीं हो जाता कि रिश्वत की मांग और उसे स्वीकार किया गया था, तब तक भ्रष्टाचार का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट की धारा 20 के मुताबिक यदि कोई पब्लिक सर्वेंट अनुचित लाभ स्वीकार करता है, तो यह माना जाएगा कि उसने किसी कार्य को प्रभावित करने के लिए ऐसा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक यह साबित न हो कि रिश्वत की मांग की गई और उसे स्वीकार किया गया, तब तक केवल अनुमान के आधार पर उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

इस मामले में अधिकारी पहले हाईकोर्ट गए थे, लेकिन वहां से राहत नहीं मिली। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अधिकारी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया जहां कोर्ट ने अवैध लाभ की ठोस मांग और स्वीकार्यता के अभाव में मामले को खारिज कर दिया। कोर्ट के इस फैसले से अथॉरिटी के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित हो गया है। अब रिश्वत की मांग और स्वीकार्यता का प्रमाण जरूरी होगा, केवल शक्ति के दुरुपयोग के आधार पर भ्रष्टाचार का मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। सिर्फ प्रशासनिक गलतियों को भ्रष्टाचार नहीं माना जाएगा। अधिकारियों पर लगाए जाने वाले आरोपों की जांच में अब अधिक सबूतों की जरूरत होगी। सजा केवल तभी मिलेगी जब रिश्वत लेने या देने के पुख्ता सबूत होंगे।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं :

● इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई ● फिलमिट अकादमी, मुंबई ● वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

भूमि पेडनेकर ने सिनेमाई सफर में निभाए गए किरदार पर की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, जिन्हें 'मेरे हसबैंड की बीवी' के लिए काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने हाल ही में एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म उद्योग में 10 साल पूरे किए हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद, अभिनेत्री ने अपने सफर में विभिन्न किरदारों को निभाने के बारे में बात की और बताया कि इसने उनके करियर को कैसे आकार दिया है। 'दम लगा के हईशा' में अपने यादगार डेब्यू से लेकर अपनी हालिया भूमिकाओं तक भूमि अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उभरी हैं।

अपनी यात्रा पर भूमि ने कहा, मेरी यात्रा दम लगा के हईशा से शुरू हुई और तब से हर दिन मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इन 10 वर्षों ने मुझे जुनून और खुद पर विश्वास करने की शक्ति सिखाई है। उन्होंने आगे बताया, मुझे कुछ वाकई विविध किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है, मेरी पहली फिल्म में एक अधिक वजन वाली दुल्हन, बधाई दो में एक विचित्र किरदार, भक्षक में न्याय के लिए लड़ने वाली एक पत्रकार, सांड की आंख में उम्र के मानदंडों को चुनौती देने वाली एक अस्सी वर्षीय महिला, बाला में रंग के आधार पर भेदभाव करने का सामना करने वाली एक महिला और थैंक यू फॉर कमिंग में अपनी स्वतंत्रता को अपनाने वाली एक महिला।

अभिनेत्री ने विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाई हैं। उनके करियर को असाधारण प्रदर्शन को फैंस ने सराहा भी है। जिससे वह बॉलीवुड की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं। भूमि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाती हैं, साथ ही वह सीखे गए सबक और अपने करियर को आकार देने वाले अवसरों पर भी विचार करती हैं। कहा जाता है कि अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, क्योंकि वह ऐसी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यथास्थिति को चुनौती देती हैं और समकालीन मुद्दों पर नए दृष्टिकोण पेश करती हैं। हाल ही में भूमि ने अपने 10 साल पूरे होने पर मुंबई में एक खास केक-कटिंग सेरेमनी रखी। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया और उनके प्रशंसक शामिल हुए। अभिनेत्री ने ब्लैक पैंट और स्टाइलिश लॉन्ग स्लीव शर्ट पहनी हुई थी।

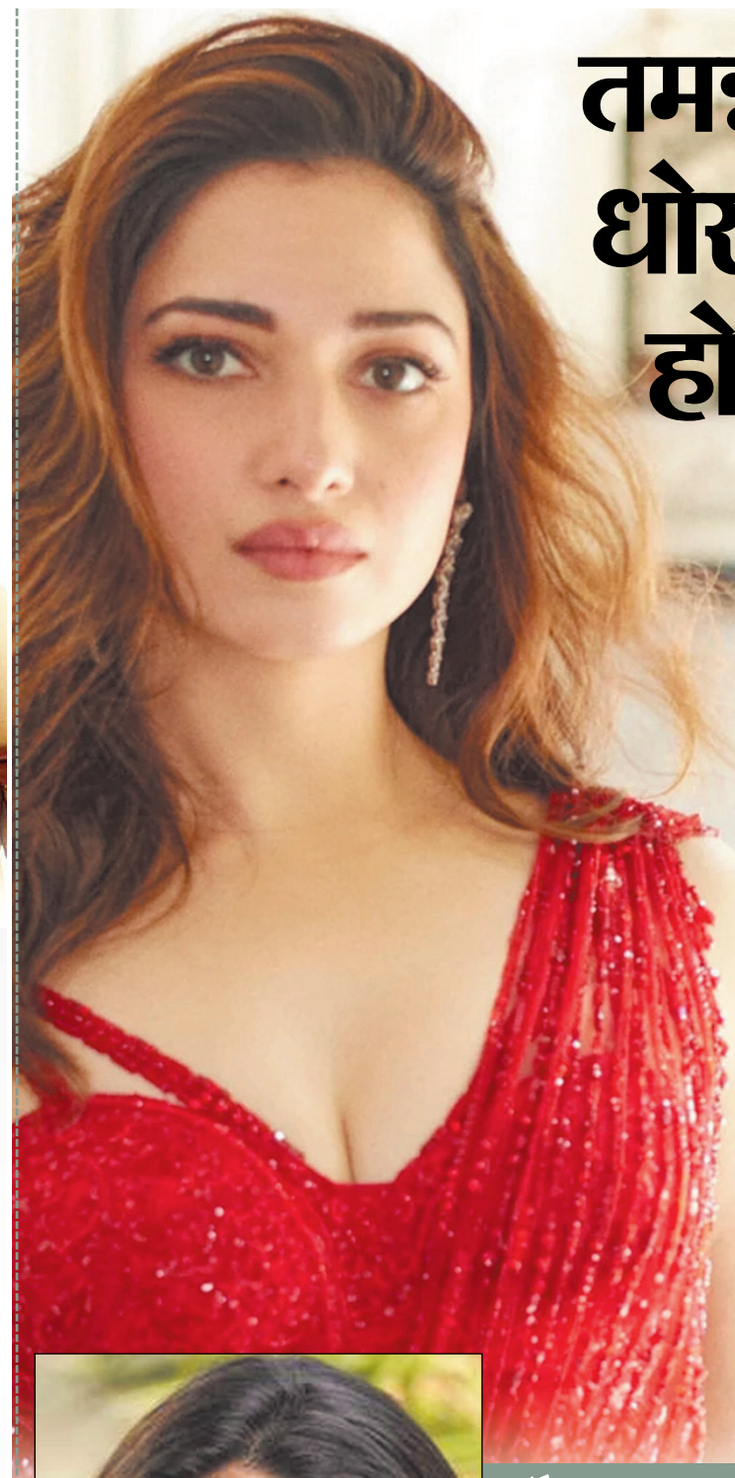

तमन्ना ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने उन रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिनमें कहा गया है कि उन्हें 2.4 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले में पुडुचेरी पुलिस द्वारा तलब किया जा सकता है। दावों को फर्जी और भ्रामक बताते हुए अभिनेत्री ने आश्वासन दिया कि वह ऐसी झूठी रिपोर्टों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

क्या है पूरा मामला

28 फरवरी को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तमन्ना और अभिनेत्री काजल अग्रवाल से कथित क्रिप्टोकरेंसी स्कीम के संबंध में पूछताछ की जा सकती है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से उनकी संलिप्तता के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आरोपों पर बोलीं तमन्ना

तमन्ना ने साक्षात्कार में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे ध्यान में आया है कि मेरे क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े होने और उससे जुड़े होने का आरोप लगाते हुए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वे ऐसी कोई भी फर्जी, भ्रामक और झूठी रिपोर्ट और अफवाहें न फैलाएं। उन्होंने कहा, इस बीच मेरी टीम उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए इस पर विचार कर रही है।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पुडुचेरी के मूलकुलम के पूर्व सैनिक अशोकन ने कोयंबटूर स्थित एक फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसकी स्थापना 2022 में हुई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजना में उनके साथ धोखाधड़ी की गई। अशोकन ने दावा किया कि उन्होंने 1 करोड़ रुपये का निवेश किया और अपने 10 दोस्तों को कुल 2.4 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया।

काजल की प्रतिक्रिया का इंतजार

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वह कंपनी के लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां तमन्ना मौजूद थीं और बाद में महाबलीपुरम में एक अन्य समारोह में शामिल हुए, जहां काजल मुख्य अतिथि थीं। कहा गया था कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक निवेशकों को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें उपहार में दी गईं। पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर काजल और तमन्ना से स्पष्टीकरण मांगा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे केवल कंपनी के कार्यक्रमों का प्रचार कर रही थीं या उनकी कोई वित्तीय भागीदारी भी थी। काजल ने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सैफ मामले से आलिया ने लिया सबक!

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी बेटी राहा कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा ली हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से बेटी की सभी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। अब फैंस राहा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर नहीं देख पाएंगे, सिवाय उन तस्वीरों के जिनमें उनका चेहरा नहीं नजर आ रहा है। अभिनेत्री के इस फैसले पर उनके फैंस भी उनके साथ हैं। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को अब स्क्रॉल करने पर राहा की तस्वीरें नहीं दिख रही हैं। यहां तक कि जामनगर या परिवार की पेरिस टूर से पोस्ट की गई तस्वीरें भी हटा दी गई हैं। राहा-आलिया के नए साल के दिन के फोटो एलबम में दिखाई देती हैं, लेकिन उनका चेहरा नहीं दिखाई देता। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री के इस फैसले का उनके फैंस समर्थन कर रहे हैं। रेडिट पर फैंस ने इसका समर्थन किया।

सैफ पर हुए हमले से जोड़ रहे लोग

एक यूजर ने आश्चर्य जताया कि इसका क्या कारण हो सकता है? उसने लिखा, सैफ-जेह की घटना ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने पैपराजी को भी मना किया कि वह अब से राहा की तस्वीरें न लें। उनके लिए अच्छा है। हालांकि, यह सिर्फ अटकलें हैं, जो सोशल मीडिया यूजर्स लगा रहे हैं। इसकी असल वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

मुनमुन दत्ता ने रिजेक्ट किया सेलिब्रिटी मास्टरशेफ, क्या रही वजह

इन दिनों एक कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में कई टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं। इस शो में वह अपनी कुकिंग स्किल्स को दिखा रहे हैं। इसी शो के लिए सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पॉपुलर एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता को भी अप्रोच किया गया था। लेकिन वह 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा नहीं बन पाई।

रियालिटी शो का हिस्सा इसलिए नहीं बन पाई

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' से जुड़े एक सोर्स का कहना है कि मुनमुन दत्ता को भी शो ऑफर हुआ था। वह एक अच्छी कुक हैं, साथ ही काफी पॉपुलर भी हैं। ऐसे में शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लिए परफेक्ट थीं। लेकिन उनके अपने शो कॉमेडी शो को लेकर कुछ कमिटमेंट्स थे, जिसके कारण उन्हें कुकिंग रियालिटी शो को ना कहना पड़ा। इन दिनों सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में तेजस्वी, गौरव खन्ना, निक्की तंबोली जैसे टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं।

कॉमेडी शो में कई सालों से एक्टिव

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का हिस्सा मुनमुन दत्ता काफी लंबे समय से हैं। वह इसमें बबीता जी नाम का किरदार निभाती हैं, जिसका पति एक साइंटिस्ट है। शो में कॉमेडी के साथ समय-समय पर सोशल मैसेज भी दिए जाते हैं। इस शो की वजह से मुनमुन को काफी पॉपुलैरिटी मिली है।

फिल्मों का भी हिस्सा बनीं

मुनमुन ने सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वह मुंबई एक्सप्रेस और हॉली डे जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही 'बिग बॉस 15' में बतौर प्रतियोगी भी शामिल हो चुकी हैं। इन दिनों भी वह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ रही हैं।

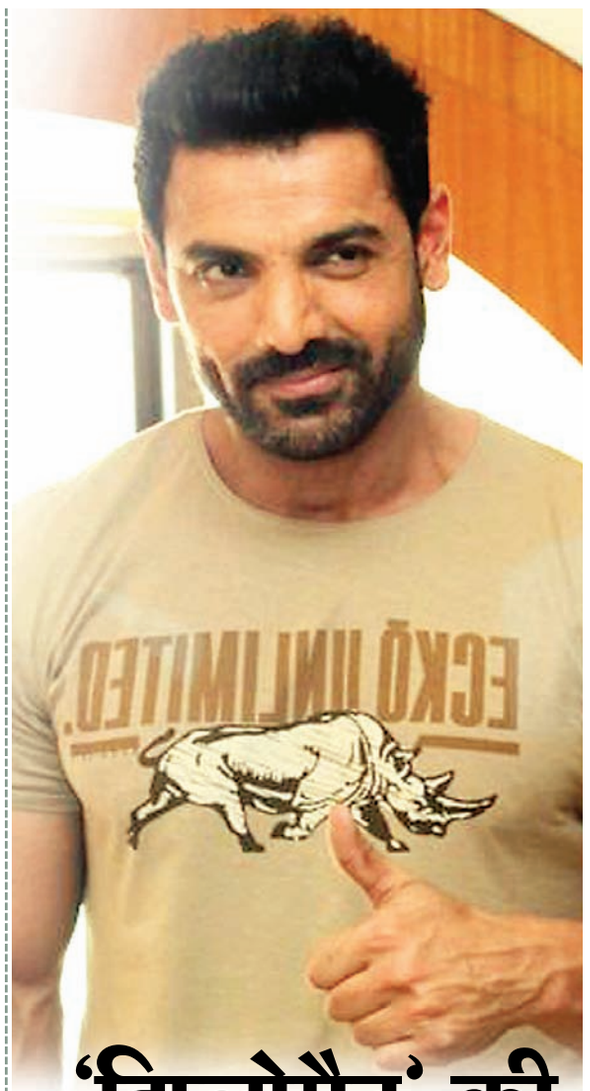

'डिप्लोमैट' की रिलीज से पहले जॉन ने मांगी माफी

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों के ट्रेलर रिलीज या दूसरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाना अच्छा नहीं लगता। अपनी नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए भी वह पत्रकारों से अलग-अलग ही मिल रहे हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर के साथ इस फिल्म की खासियतों के बारे में भी बता रहे हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने इस फिल्म के अलावा बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में हुए हादसे के बारे में भी बात की और पहली बार कैमरे के सामने माना कि इसमें गलती उनकी ही थी।

पहली बार शिवम नायर से मिले

पाकिस्तान में तैनात रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जे पी सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग बीते साल ही खत्म हो गई थी। लेकिन, जॉन बताते हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर को हर सीन को करीने से एडिट करने और उसमें कहीं भी कोई खामी न रहने देने का जुनून सा रहता है। वह फिल्म को शूट करने के बाद एडिट टेबल पर भी काफी करीने से संवारते हैं और उनके इसी जुनून को देखकर मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म के लिए ही मैं और शिवम पहली बार मिले।

गलतियों से सीखना ही बड़े होने की निशानी

ये पूछे जाने पर कि पचास साल की उम्र पार होने के बाद अमूमन इंसान का गुस्सा कम होने लगता है, तो क्या जॉन भी अपने भीतर ये बदलाव महसूस करते हैं। जॉन कहते हैं, हां, मैं अब उतना गुस्सा नहीं करता। अपनी बात कहने में मैं अब भी पीछे नहीं रहता, लेकिन अब मैं अपने उत्तरों को डिप्लोमैटिक तरीके से पेश करना सीख गया हूं। पहले मैं जो कुछ भी मन में आता था, कह देता था, लेकिन मुझे लगता है गलतियों से सबक लेना ही किसी इंसान के प्रौढ़ होने की निशानी है।

मैं अपनी गलती के लिए क्षमा मांगता हूं!

और, ऐसी ही गलती उनसे बीते साल फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अपशब्द कहने की हुई? जॉन शायद इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन, बात की संजीदगी को समझते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि हां उनसे गलती हुई। जॉन कहते हैं, मुझे इस तरह से अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। वह 'बेचारा' तो अपना काम ही कर रहा था। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मैं आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में जाना टालता ही हूं। तब भी मैंने कहा था कि मुझे मत बुलाओ, अब देखिए ना, मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी। फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को रिलीज हो रही है।

रिलीज से पहले कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर, थिएटर के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी धनुष की फिल्म

हाल ही में धनुष की फिल्म कुबेर की रिलीज डेट से पर्दा उठा था। 27 फरवरी को आधिकारिक तौर पर यह खुलासा किया गया कि शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर 20 जून 2025 को कई भारतीय भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। अब इस फिल्म के ओटीटी पार्टनर से पर्दा उठ गया है।

कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज की तारीख की घोषणा करने के बाद कुबेर ने निर्माताओं ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ फिल्म की ओटीटी साझेदारी कर ली है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने भारी कीमत पर सभी भाषाओं में कुबेर के डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में धनुष और रश्मिका मंदाना के अलावा जिम सर्भ और अक्किनेनी नागार्जुन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुबेर को श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित किया गया है। देवी श्री प्रसाद ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। कुबेर धारावी की पृष्ठभूमि पर आधारित है और यह एक व्यक्ति के गरीबी से अमीरी तक के विकास की कहानी दर्शाती है। सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले कुबेर को बनाया जा रहा है। वहीं देवी श्री प्रसाद फिल्म का संगीत दिया है।

एक्स पर दी रिलीज डेट की जानकारी

फिल्म कुबेर के निर्माताओं ने एक्स पर फिल्म के एक पोस्टर के साथ शेयर की रिलीज की तारीख। इस पोस्टर में धनुष और नागार्जुन नजर आ रहे हैं। साथ ही इस पोस्टर के साथ लिखा, शक्ति की कहानी, धन के लिए लड़ाई, भाग्य का खेल। शेखर कम्मुला कुबेर 20 जून, 2025 से एक आकर्षक अनुभव देने के लिए तैयार है।

आज टाइगर श्रॉफ बेंचमार्क हैं; आप कैसे सर्वाइव करेंगे बॉलीवुड में?

जॉनी गद्दार में अपने डेब्यू के अठारह साल बाद, नील नितिन मुकेश बॉलीवुड के विकास पर चर्चा करते हैं कि बॉलीवुड कैसे विकसित हुआ है, और इस बात पर जोर देते हैं कि इंडस्ट्री आज अपने अभिनेताओं से कहीं अधिक की उम्मीद करता है। बदलते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे टाइगर श्रॉफ ने फिटनेस और एक्शन में एक नया मानक स्थापित किया है, उन्होंने कहा, बेंचमार्क टाइगर श्रॉफ हैं- तो आप कैसे सर्वाइव करेंगे? बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन सुपरस्टार के रूप में जाने जाने वाले टाइगर श्रॉफ ने अपने हाई-ऑक्टेन प्रदर्शन, बेजोड़ चुस्ती और हैरतअंगेज़ एक्शन सीक्वेंस के साथ स्टारडम को फिर से परिभाषित किया है। चुनौती देने वाले स्टंट से लेकर मार्शल आर्ट को डांस के साथ सहजता से मिश्रित करने तक, टाइगर ने सभी पीढ़ियों के अभिनेताओं के लिए मानक बढ़ा दिए हैं। नील ने आगे इस बात पर जोर दिया कि कैसे इंडस्ट्री अब अभिनेताओं से सिर्फ कलाकार ही नहीं, बल्कि एक्शन हीरो, डांसर और फिटनेस आइकन भी बनने की उम्मीद करता है - एक ऐसा डोमेन जहां टाइगर आसानी से छाए हुए है। वर्तमान में, टाइगर श्रॉफ अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फ्रेंचाइजी की अगले भाग बागी 4 की शूटिंग कर रहे हैं। 5 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली इस फिल्म के साथ, उम्मीदें आसमान पर हैं क्योंकि प्रशंसक उत्सुकता से एक और एड्रेनालाईन-पैक ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं।

समाचार गेट
HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

यातायात पुलिस का विशेष अभियान, 95 वाहन चालको ने अपने पुराने चालानों का किया भुगतान

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर के निर्देशानुसार यातायात नियमों का उल्लघना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध यातायात पुलिस, स्थानिय पुलिस व स्मार्ट सिटी कन्ट्रोल रूम द्वारा लगातार चालान किए जा रहे हैं परन्तु उल्लंघना करने वाले वाहन चालकों/मालिकों द्वारा चालान की जुर्माना राशी जमा कराने के प्रति गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। जिसके चलते लम्बित चालानों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। अब ऐसे वाहनों के चालकों/मालिकों के खिलाफ यातायात पुलिस द्वारा 167(8) सेन्ट्रल मोटर वाहन अधिनियम 2020 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात करनाल के निर्देशों पर पुलिस उपायुक्त यातायात फरीदाबाद द्वारा विशेष अभियान चलाया गया है। जिसके अंतर्गत चलान का भुगतान ना करने वाले वाहन चालको की जांच करके उनकी पहचान कर चालान का भुगतान करने के लिए वाहनों की चैकिंग आरम्भ कर दी गई है। इस अभियान के दौरान आज यातायात पुलिस द्वारा 3503 वाहनों की चेकिंग की है। जिनमें से 762 वाहन चालको द्वारा अपने पुराना चालान का भुगतान नहीं करना पाया गया जिनको चालान राशी जमा करवाने के निर्देश दिए। जिसके अंतर्गत 95 वाहन चालाकों द्वारा उसी समय अपने पुराने चालान का भुगतान किया गया तथा बाकी वाहन चालकों द्वारा मजबूरी जाहिर करने पर हिदायत दी गई है कि वो अपना चालान का भुगतान अतिशीघ्र कर लें अन्यथा धारा 167(8) सेन्ट्रल मोटर वाहन अधिनियम 2020 कार्रवाई करते हुए वाहन को ष्ठशवञ्ज्रद्ढहृ कर लिया जाएगा।

इसके साथ ही वाहन चालकों को जुर्माना राशी समय पर जमा कराने बारे जागरूक भी किया गया व जुर्माना राशी को स्थानिय थाना व यातायात बूथ पर मौजूद पेटीएम व क्यूआर कोड की मदद से भुगतान करने की सुविधा बारे भी अवगत कराया गया।

भांकरी क्रिकेट क्लब ने थंडर इलेवन को 17 रन से हराया

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। 2वां रविंदर फागना सिल्वर जुबली कैश प्राइज मिक्स कॉरपोरेट कप टूर्नामेंट 2024-25, रविंदर फागना क्रिकेट ग्राउंड भूमि पाली फरीदाबाद पर खेला गया। और यह मैच भांकरी क्रिकेट क्लब ओर थंडर इलेवन के बीच खेला गया। इस मैच में भांकरी क्रिकेट क्लब ने थंडर इलेवन को 17 रन से हराया। यह मैच 20 ओवर का था और भांकरी क्रिकेट क्लब ने पहले टॉस जीत कर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। भांकरी क्रिकेट क्लब टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.1 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 158 रन का लक्ष्य दिया। भांकरी क्रिकेट क्लब की ओर से पहले बल्लेबाजी करते हुए मनोज फागना ने 41 गेंदों में 8 चौके, 2 छक्के की मदद से 58 रन, राज ने 44 गेंदों में 4 चौके, 2 छक्के की मदद से 53 रन बनाए। थंडर इलेवन की ओर से गेंदबाजी करते हुए नवदीप बिधूड़ी ने 3.5 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट, विकाश ने 2 ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट ओर ऋषभ ने 2 विकेट हासिल किए। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम थंडर इलेवन ने 18.4 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 141 रन बनाकर हार का सामना करना पड़ा। थंडर इलेवन की ओर से बल्लेबाजी करते हुए विकास बिधूड़ी ने 36 गेंदों पर 6 चौके की मदद से 38 रन, अभी यादव ने 14 गेंदों में 2 चौके की मदद से 24 रन बनाए। भांकरी क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाजी करते हुए कुल्ली फागना 4 ओवर में 1 मेडन 16 रन देकर ने 4 विकेट, हितेश ठाकुर ने 3 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट, अमन बावा, धर्मेंद्र फागना और राज ने 11 विकेट लिया।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच कुल्ली फागना को घोषित किया गया और फाइटर ऑफ द मैच नवदीप बिधूड़ी को घोषित किया गया।

सक्षम युवा योजना-2016 के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। रोजगार निदेशालय हरियाणा की सक्षम युवा योजना-2016 के अंतर्गत बेरोजगार युवाओं को मानदेय का कार्य उपलब्ध करवाया जाता है। यह जानकारी देते हुए उपमंडल रोजगार अधिकारी डॉ निकिता यादव ने बताया कि मानदेय के रूप में 6000/-रु० अधिकतम प्रतिमाह 60रु प्रति घंटा अधिकतम 100 घंटे तथा बेरोजगारी भत्ते के रूप में स्नातकोत्तर 3000/-रु० स्नातक-1500/-रु0 12वीं पास-900/-रु०। सक्षम युवा योजना-2016 के पंजीकरण हेतू www.hreyahs.gov.in पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर %यादा से %यादा संख्या में पंजीकरण करवायें। उपमंडल रोजगार अधिकारी डॉ निकिता यादव ने बताया कि इस योजना के तहत स्नातकोत्तर / स्नातक तथा 12वीं पास प्रार्थियों को अपना नाम रजिस्टर करवाना होता है

जिसकी शर्तें निम्न प्रकार से है-

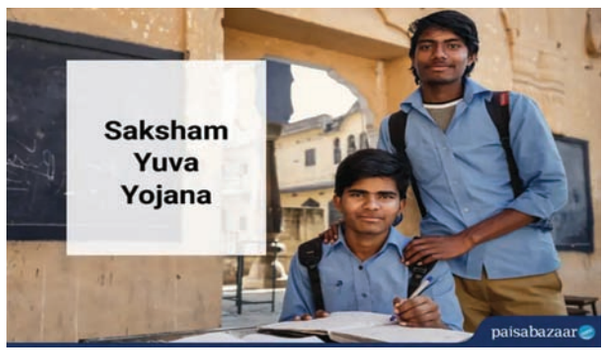

आवेदक हरियाणा का निवासी होना चाहिए, आवेदक किसी भी सरकारी/ गैर सरकारी नौकरी में न हो, आवेदक किसी भी तरह के रोजगार जैसे-सार्वजनिक / निजी क्षेत्र/अर्ध सरकारी और स्व-रोजगार में शामिल नहीं होना चाहिए, आवेदक की पारिवारिक आय 3 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए, आवेदक की आयु 18 से 35 अथवा 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए, आवेदक रेगुलर पढ़ाई न करता हो, आवेदक सरकारी नौकरी से बरखास्त नहीं होना चाहिए। आवेदक हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली पंजाबी व पटियाला विश्वविद्यालय व एचबीएसई, सीबीएसई, व आईसीएसई से मान्यता प्राप्त संस्थानों से रेगुलर पढ़ा लिखा हो जो हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली में स्थित हो।

उन्होंने आमजन से अपील कि सक्षम युवा योजना-2016 के पंजीकरण हेतू www.hreyahs.gov.in पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंजीकरण करवाकर इस योजना का भरपूर फायदा उठायें व अपने करियर को नई उचाईयों तक पहुंचने में सरकार की योजना का लाभ उठायें। किसी भी जानकारी के लिए उपमंडल रोजगार कार्यालय बड़खल, 5 जे पार्क, एनआईटी फरीदाबाद में सम्पर्क कर सकते हैं व दूरभाष नं-0129-4607786 पर जानकारी ले सकते हैं।

श्रम मंत्री अनिल विज का कड़ा रुख: गलत पंजीकरण रद्द करने वालों पर होगी कार्रवाई

निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण पर बड़ा फैसला, पुन: जांच के आदेश

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गलत तरीके से निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण रद्द करने वाले कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई की जाए। यह निर्णय हरियाणा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से जुड़ी बैठक के दौरान लिया गया। श्री अनिल विज आज चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

अनिल विज को पंजीकृत निर्माण श्रमिकों का प्रतिनिधि मंडल मिला था, जिसमें उन्होंने श्रम मंत्री को बताया कि गलत तरीके से उनका पंजीकरण रद्द कर दिया गया है। मामले की समीक्षा में सामने आया कि 50,000 निर्माण श्रमिकों के नाम बिना ठोस कारण के पंजीकृत सूची में ब्लॉक किए गए हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि एक दिन में एक-एक कर्मचारी के द्वारा 2000 निर्माण श्रमिकों का सत्यापन संभव नहीं, इसलिए संलिप्त कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, यह आदेश दिया कि गलत तरीके से ब्लॉक किए गए नामों की पुन: जांच हो। जब तक यह प्रक्रिया पूरी न हो, तब तक किसी भी निर्माण श्रमिक को पंजीकृत सूची से बाहर न किया जाए। उचित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने को कहा गया।

इस बैठक में श्रम विभाग के प्रधान सचिव श्री राजीव रंजन, श्रमायुक्त श्री मनी राम शर्मा और अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया।

यमुना नदी सहित अन्य स्थानों पर अवैध खनन की हो रही है नियमित मॉनिटरिंग

फरीदाबाद में खनन अधिकारी स्वयं टीम सहित कर रही हैं निरीक्षण

खनन विभाग के डीजी के.एम. पांडुरंग के आदेशानुसार सजग है खनन विभाग

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार द्वारा फरीदाबाद जिला से निकल रही यमुना नदी सहित अन्य स्थानों पर अवैध खनन रोकने व बिना ई-रवाना बिल के निकलने वाले खनिज वाहनों पर पूरी मुस्तैदी के साथ मॉनिटरिंग की जा रही है।

जिला में दिन रात खनन विभागीय टीम जहां सड़कों पर बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों की जांच कर रही है वहीं नियमों की अवहेलना करने वालों पर कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। खनन विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग के आदेशानुसार विभागीय टीम पूरी सजगता से अपना दायित्व निभाते हुए हर पहलू पर फोकस कर रही है।

जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान स्वयं जिला से निकल रही यमुना नदी के हर हिस्से का निरीक्षण करते हुए अवैध खनन रोकने में सक्रियता बरत रही हैं वहीं उन्होंने बताया कि विभाग की टीम द्वारा निरन्तर जिला में अवैध खनन न हो इसकी जांच की जा रही है। साथ ही जिला से निकलने वाले राष्ट्रीय व राज्य मार्गों सहित अन्य कनेक्टिविटी पर चैकिंग टीम द्वारा खनिज वाहनों की जांच भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि चेकिंग के दौरान फिलहाल कहीं भी कोई अवैध खनन होना नहीं पाया गया है और यदि कहीं नियमों की अवहेलना पाई जाती है तो वे तुरन्त प्रभाव से आगामी आवश्यक कार्रवाई अमल में लाएंगी।

जिला खनन अधिकारी श्रीमती बिधलान ने कहा कि फरीदाबाद जिला सहित पूरे प्रदेश में खनन विभाग की ओर से महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के दिशा निर्देशों की अनुपालना करते हुए चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अवैध खनन न हो इसकी गंभीरता से जांच की जा रही है कोई भी खनिज वाहन बिना ई रवाना बिल के जिला की सड़कों से न निकले इसकी पूरी मॉनिटरिंग हो रही है। दिन रात विभाग की टीम विभिन्न स्थानों पर सक्रियता से कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की हर गतिविधियों को लिखित में विभाग के उच्चाधिकारियों को अवगत भी कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में किसी भी रूप से अवैध खनन को रोकने के लिए दृढ़संकल्प है और विभाग इस दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है।

फरीदाबाद में सात जगह होगी वोटों की गिनती, तीन लेयर की सुरक्षा में ईवीएम मशीन

अलग-अलग शिफ्टों में डयूटी दे रहे पुलिसकर्मी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद में 2 मार्च को निकाय चुनाव का मतदान खत्म होने के बाद सभी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा गया है। 12 मार्च को वोटों की गिनती होगी। उल्लेखनीय है कि फरीदाबाद में 46 वार्ड में 2 मार्च को 221 पार्षद उम्मीदवारों और 6 मेयर उम्मीदवारों के लिए मतदान किया गया है। फरीदाबाद की अलग - अलग विधानसभा में सात स्ट्रॉन्ग रूम बनाए गए है। 12 मार्च को 7 जगह पर मतों की गिनती की जाएगी। फरीदाबाद में डीएवी शताब्दी कॉलेज, एनआईटी 3, केएल मेहता दयानंद कॉलेज, एसजीएम नगर सामुदायिक भवन, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 14 सेक्टर 28 सामुदायिक भवन, राजकीय महिला महाविद्यालय, सेक्टर 16, सुषमा स्वराज महाविद्यालय, बल्लभगढ़, अदि जगहों पर स्ट्रॉन्ग रूम बनाए गए है। हरियाणा पुलिस की तीन लेयर की सुरक्षा मे वोटिंग मशीनों को रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। स्ट्रॉन्ग रूम की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। हरियाणा पुलिस के जवान अलग अलग शिफ्टों में डयूटी दे रहे हैं। कैमरों के द्वारा स्ट्रॉन्ग रूम के हर कोने पर नजर रखी जा रही है। इस बार नगर निगम चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, जिले में कुल 40.6 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो साल 2017 के चुनाव के मुकाबले 15.9 प्रतिशत कम है। पिछली बार 56.1 प्रतिशत मतदान हुआ था, लेकिन इस बार मतदान प्रतिशत में गिरावट आई है। हालांकि, प्रशासन ने मतदान कम होने के कारणों को लेकर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। नगर निगम चुनाव की मतगणना प्रक्रिया 12 मार्च को सुबह 8 बजे से शुरू होगी। काउंटिंग के बाद मेयर और पार्षद पद के विजेताओं के नाम घोषित कर दिए जाएंगे। उम्मीद है कि दोपहर बाद तक चुनाव परिणाम सामने आ जाएंगे। अब सभी प्रत्याशियों और मतदाताओं की नजरें 12 मार्च को होने वाली मतगणना पर टिकी हैं।

कृषि विपणन बाजार नीति के खिलाफ भाकियू 11 मार्च को हरियाणा में करेगी प्रदर्शन : रतनमान

समाचार गेट/ब्यूरो

करनाल। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने प्रदेश सरकार पर वापिस लिए गए तीन कृषि कानूनों को नए रूप में लागू करने का आरोप लगाया है। घरौंडा के कैमला रोड पर भाकियू ब्लॉक कार्यालय पर भाकियू ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आंदोलन की रणनीति तैयार की। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान धनेतर राणा ने की। वहीं बैठक में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष रतनमान ने कहा कि सरकार कृषि विपणन बाजार नीति के जरिए किसानों, आढ़तियों और मंडियों के असतित्व को खत्म करने का प्रयास कर रही है। जो किसानों के हित में नही है। उन्होंने कहा कि भाकियू की ओर से प्रदेशभर में किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इस किसान विरोधी नीति के विरोध में आने वाली 11 मार्च को प्रदेशभर में जिला सचिवालयों पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम जिला उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। भाकियू ने चेतावनी दी कि अगर प्रदेश सरकार ने इस नीति को वापस नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। भाकियू प्रदेश अध्यक्ष रतनमान ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार औद्योगिक घरानों के फायदे के लिए यह नीति ला रही है। जिससे अनाज मंडियों का असतित्व खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि वह मंडियों के विस्तार पर ध्यान दे। इसके बजाय उन्हें कमजोर किया जा रहा है। रतनमान ने कहा कि भाजपा सरकार उद्योगपतियों के १४ लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ कर सकती है, लेकिन किसानों और आम जनता पर भारी टै1स लगाकर उनकी कमर तोड़ रही है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई से हर नागरिक परेशान है। लेकिन सरकार आम लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। भाकियू ने मांग की है कि मु2यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब सरकार की तर्ज पर इस नीति को आनेवाले बजट सत्र में रद्द करके केंद्र सरकार को लौटा दें। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने किसानों की मांग नहीं मानी तो पूरे प्रदेश में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा। गांव से लेकर प्रदेश स्तर तक विरोध प्रदर्शन होगा और इसकी जि6मेंदारी पूरी तरह भाजपा सरकार की होगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुरेंद्र घु6मन, प्रदेश संगठन सचिव श्याम सिंह मान, जिला महासचिव सुरेंद्र बैनीवाल, कंवर सिंह राणा, संदीप राणा, विनोद राणा कालरम, शुभम राणा, लक्ष्मण दास, बारूराम, बजिंद्र व अन्य मौजूद रहे।